राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 216 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, गुरूवार, 17 फरवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

एक नजर

राष्ट्रपति कोविन्द ने चार देशों के राजदूतों के परिचय पत्र स्वीकार किये

नई दिल्ली। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में जिबूती, सर्बिया और उत्तर मैसेडोनिया के राजदूतों और तंजानिया के उच्चायुक्त के परिचय पत्र स्वीकार किये। राष्ट्रपति के समक्ष अपने परिचय पत्र प्रस्तुत करने वालों में संयुक्त गणराज्य तंजानिया की उच्चायुक्त अनीसा के. मबेगा, जिबूती गणराज्य के राजदूत इस्से अब्दिल्लाही असोवे, सर्बिया गणराज्य के राजदूत सिनिसा पाविक और उत्तर मैसेडोनिया गणराज्य के राजदूत स्लोबोदान उज़ुनोव शामिल हैं। परिचय पत्र प्रस्तुत करने के बाद, राष्ट्रपति ने चारों दूतों के साथ अलग-अलग बातचीत की। राष्ट्रपति ने उन्हें उनकी नियुक्तियों पर बधाई दी और भारत द्वारा देशों के साथ साझा किए गए सौहार्द और मैत्रीपूर्ण संबंधों और उनमें से प्रत्येक के साथ भारत के बहुआयामी संबंधों पर प्रकाश डाला।
राष्ट्रपति ने उन्हें द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और उनकी भलाई और मैत्रीपूर्ण लोगों की प्रगति और समृद्धि के लिए भी शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने उच्चायुक्त और राजदूतों के माध्यम से भी उनके नेतृत्व को अपने व्यक्तिगत सम्मान से अवगत कराया। कार्यक्रम में मौजूद राजदूतों ने भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

वाराणसी के रविदास मंदिर में नतमस्तक हुए राहुल और प्रियंका

वाराणसी। 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का कालजयी संदेश देने वाले संत शिरोमणि गुरु रविदास के जयंती समारोह में बुधवार को कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा एक साथ शामिल हुए। गुरु की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर पहुंचे भाई-बहन ने गुरु मंदिर में संत रविदास की प्रतिमा के समक्ष माथा टेका। दोनों नेताओं ने रविदासी धर्म प्रमुख डेरा सचखंड बल्ला के गद्दीनशीन संत निरंजन दास से आशीर्वाद लिया और उनका हालचाल जाना। इसके बाद दोनों नेताओं ने लंगर छका और सत्संग में शामिल हुए। राहुल गांधी ने लंगर का प्रसाद ग्रहण करने के बाद वहां सेवा भी की। उन्होंने रैदासी परम्परा का पालन करते हुए सिर पर रुमाल रख पंगत को प्रसाद छकाया। राहुल का सेवाभाव देख पंगत में प्रसाद ग्रहण करने वाले श्रद्धालु भी गदगद दिखे। प्रियंका गांधी महिला सेवादारों से भी मिलीं। प्रियंका ने कहा कि वह हर साल यहां गुरु दरबार में आती हैं। इस साल और भी अच्छा लगा। क्योंकि मेरे साथ भैया (राहुल) भी आए हैं। उन्होंने जयंती समारोह में भाग लेने आए श्रद्धालुओं का अभिवादन कर शुभकामनाएं भी दीं। इसके पहले राहुल ने दरबार में आने के पहले ट्विटर पर लिखा, जाति-जाति में जाति हैं जो केतन के पात, रैदास मनुष ना जुड़ सके जब तक जाति न जात। प्रियंका गांधी ने भी यहां आने से पहले ट्विटर पर लिखा, हर साल की तरह आज के दिन वाराणसी स्थित संत शिरोमणि गुरु रविदास की जन्मस्थली पर माथा टेकूंगी। आज भाई के साथ जाने में और भी खुशी हो रही है। मंदिर परिसर में आने पर संत निरंजन दास और अन्य संतों ने दोनों नेताओं का स्वागत किया।

जनसभा में आई भीड़ अखिलेश के भाषण के बीच से खिसकी

किसानों की जान लेने वाले को कोर्ट ने जमानत दी, जनता ने नहीं : अखिलेश

संवाददाता

फर्रुखाबाद । जनपद में चुनावी सभा के दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्ता दल पार्टी पर जमकर निशाना साध। उन्होंने कहा कि अमृतपुर विधान सभा के पंचमनागरिया में जनता से कहा कि, मंत्री पुत्र ने किसानों की जान ली। कोर्ट ने उसे जमानत दी, लेकिन जनता उन्हें जमानत नहीं देगी।

उन्होंने कहा कि, किसानों को कुचलने वालों को माफ नहीं करेंगे। उनको पालने पोसने वालों को माफ नहीं किया जा सकता। बीजेपी यूपी में साफ होगी, 5 साल में उत्पीड़न हुआ विकास रुक गया। बड़े बड़े विज्ञापन हुए लाखों लाख नौकरी के लग गए। जो लोग गर्मी निकलने की बात करते हैं नौजवान वोट डाल कर उनकी भाप निकल जायेगी।

अखिलेश यादव ने कहा, बीएड और टैट वालों को समायोजित करने का काम सपा सरकार करेगी। शिक्षा मित्र को भी धोखा मिला। यह चुनाव यूपी की खुशहाली का चुनाव है। गर्मी निकालने वालों को बताना चाहते है, सरकार बनने के बाद पुलिस भर्ती होगी। पहले और दूसरे चरण में मतदान के बाद उनके समर्थक ठंडे पड़े गए। पूर्व मुख्यमंत्री इतना ही बोल पाए थे कि वहां मौजूद भीड़ खिसकने लगी। भीड़ खिसकने के पीछे बताया गया कि भोजपुर उम्मीदवार अरशद जमाल भाड़े की भीड़ लाये थे। अखिलेश यादव को आने में विलंब हुआ और भीड़ खिसक गई।

बाराबंकी में बड़ा सड़क हादसा

अयोध्या हाईवे पर पति-पत्नी और दो बच्चे समेत छह लोगों की मौते

संवाददाता

बाराबंकी । अयोध्या हाईवे पर नारायणपुर मोड़ के निकट होटल के पास बुधवार की भोर करीब तीन बजे बड़ा हादसा हो गया। पहले से खड़े कंटेनर में कार की भीड़ गई, जिसमें एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई है। पांच मृतकों की शिनाख्त हो गई है। मृतकों में चार एक ही परिवार के हैं, जिसमें पति-पत्नी व दो बच्चे शामिल हैं। ये सभी अयोध्या जनपद के रुदौली इलाके के रहने वाले हैं। अयोध्या जिले की सीमा में पड़ने वाले रुदौली थाना क्षेत्र के रसूलपुर मजरे हयात नगर के रहने वाले 35 वर्षीय अजय, गुजरात के सूरत शहर में परिवार के साथ रहकर साड़ी बनाने का काम करते थे। मंगलवार को वह अपनी 28 वर्षीय पत्नी सपना, 10 वर्षीय बेटे यश, 8 वर्षीय बेटे आयांश, 36 वर्षीय बड़े भाई आदर्श और गांव के ही 26 वर्षीय रामजन्म के साथ मारुति कार से घर वापस आने के लिए निकले थे। कार में सवार अजय का परिवार हंसी-खुशी घर जा रहा था। अजय के बड़े भाई आदर्श ड्राइव? कर रहे थे। रात करीब 2:30 बजे इन लोगों की बात घर पर परिजनों से मोबाइल के जरिए बात भी हुई थी। लेकिन भोर में करीब तीन बजे उनकी कार नारायणपुर गांव के पास बने एक होटल के सामने पहले से खड़े कंटेनर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। उसमें बैठे सभी लोगों की मौत हो गई।

कोविड के दौरान दिल्ली पुलिस ने निभाई सराहनीय भूमिका : अमित शाह

संवाददाता

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि कोविड महामारी के दौरान दिल्ली पुलिस ने सराहनीय भूमिका निभाई है और उनका कार्य देशभर में पुलिस जवानों के लिए एक प्रेरणा है। उत्तरी जिले स्थित न्यू पुलिस लाइन, किंग्सवे कैंप ग्राउंड में बुधवार को दिल्ली पुलिस ने अपना 75वां स्थापना दिवस मनाया। समारोह में शिरकत करते हुए गृह मंत्री ने दिल्ली पुलिस परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में शाह ने दिल्ली पुलिस पर एक 'डाक टिकट' भी जारी किया। साथ ही सेवा के दौरान उत्कृष्ट योगदान के लिए कई पुलिसकर्मियों को सम्मानित भी किया। अपने संबोधन में गृह मंत्री शाह ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा मामले की निष्पक्ष जांच के लिए दिल्ली पुलिस की सराहना की। साथ ही कोविड-19 महामारी के दौरान दिल्ली पुलिस की सजग भूमिका की भी प्रशंसा की।

शाह ने कहा, ह्लमैं दिल्ली पुलिस को विशेष रूप से दिल्ली दंगों से जुड़ी निष्पक्ष जांच और कोविड़ महामारी के दौरान उनके द्वारा निभाई गई भूमिका के लिए बधाई देता हूं। शाह ने कहा, ह्लदिल्ली पुलिस ने न केवल कोविड़ महामारी के दौरान एक असाधारण काम किया, जो देश भर के पुलिस जवानों के लिए एक प्रेरणा है, बल्कि इस अवधि के दौरान कई आतंकी घटनाओं को भी विफल किया है।ङ्क

उन्होंने प्लेटिनम जुबली स्थापना दिवस के अवसर पर दिल्ली पुलिस कर्मियों को पदक भी दिए। इस मौके पर दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा दिल्ली पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अस्थाना ने कहा, ह्लहमारा लक्ष्य 2025 तक महिला पुलिस कर्मियों की भागीदारी को एक चौथाई तक बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने हमेशा हर क्षेत्र में खुद को साबित किया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान कुल 79 पुलिस कर्मियों की जान गई थी। ह्लदिल्ली पुलिस राजधानी शहर के निवासियों को 30 प्रकार की डिजिटल सेवाएं भी प्रदान कर रही है, जिसमें ई-बीट बुक, सेव सिटी प्रोजेक्ट, शिकायत निगरानी प्रणाली, ईआरएसएस 112 और कई अन्य शामिल हैं। अस्थाना ने आगे कहा कि दिल्ली पुलिस ने पांच हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को पदोन्नति दी है, जबकि 48 को आउट-ऑफ-टर्न पदोन्नति दी गई है। 45 पुलिस कर्मियों को भी असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगा में मारे गए पुलिस कर्मियों को विशेष पदक दिया गया है। उन्होंने कहा, मृतक पुलिस कर्मियों के परिवार के कुल 164 पात्र सदस्यों को दिल्ली पुलिस में अनुकंपा के आधार पर शामिल किया गया है। आयुक्त ने कहा कि पुलिस कर्मियों की ड्यूटी के घंटे भी तय करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही पुलिस ने युवा समुदाय पुलिस गतिविधियों के लिए कौशल केंद्र स्थापित किए गए हैं जो सामाजिक रूप से स्वीकृत व्यवहार से विचलित हो गए हैं और उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए पचास हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है और उन्हें मुख्यधारा में वापस लाया गया है।

पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं कांग्रेसी नेता : मोदी

पठानकोट । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस पर सिख समुदाय की भावनाओं को कुचलने का आरोप लगाते हुये कहा कि वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। कांग्रेस पार्टी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि सीमा पर जब भारत के जांबाज अपना शौर्य दिखाते हैं, तो विपक्षी पार्टी के नेता वही बोलते हैं जो पाकिस्तान में बोला जाता है। इस चुनाव में जनता को 'एक परिवार' के रिमोट से चलने वाली चन्नी सरकार की विदाई करनी है। पठानकोट में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर लगातार हमला जारी रखा। उन्होंने कहा कि सेना के शौर्य पर सवाल उठाना और शहीदों की शहादत पर कीचड़ उछालना कांग्रेस का स्वभाव रहा है। 14 फरवरी को पुलवामा हमले की बरसी पर भी कांग्रेस अपनी इस आदत से बाज नहीं आयी। वह सेना की बहादुरी का फिर से सबूत मांग रही है। आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पंजाब और देश की शान के खिलाफ तमाम कुकृत्य किए हैं। इसी पठानकोट पर जब पाकिस्तानी आतंकियों ने हमला किया था, तब देश उस संवेदनशील मौके पर एकजुट था, उस वक्त भी कांग्रेस पार्टी के नेता क्या कर रहे थे? यह देश ने देखा। मोदी ने कहा कि जब भारत के जांबाज अपना शौर्य दिखाते हैं, तो दूसरी पार्टी के नेता वही बोलते हैं, जो पाकिस्तान से बोला जाता है। जनसभा को संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी (आप) को भी आड़े हाथों लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की करतूतों का साथ देने के लिए अब उन्हें 'पार्टनर-इन-क्राइम' भी मिल गया है। दोनों दलों में कितनी समानता है, यह जनता ने देखा। एक ने पंजाब के युवाओं को नशे के जाल में धकेला। दूसरी पार्टी, दिल्ली के युवाओं को शराब का लती बना रही है। उन्होंने कहा कि जब अयोध्या में राम मंदिर बनता है, तो कांग्रेस-आम आदमी पार्टी दोनों मिलकर विरोध करते हैं। ये वे लोग हैं, जिन्होंने राममंदिर के निर्माण को रोकने के लिए भरपूर ताकत लगा दी थी। काशी विश्वनाथ धाम बना, तो उस पुण्य कार्य का भी उन लोगों ने विरोध ही किया। मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कांग्रेस पार्टी को जमकर खरी-खोटी सुनायी। उन्होंने कहा कि जब देश का विभाजन हो रहा था, तब कांग्रेस के लोगों को इतनी भी बात समझ नहीं आई कि सीमा से छह किमी दूरी पर स्थित गुरुनानक देव जी की तपोभूमि को भारत में रखा जाए। वे यहीं नहीं रुके। आगे कहा कि 1965 की लड़ाई में भारत की सेना लाहौर में झंडा फहराने की ताकत के साथ आगे बढ़ रही थी।

हमीरपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले-

हमने बोतल में बंद कर दिया सपा, बसपा और कांग्रेस का जिन्न

संवाददाता

हमीरपुर । हमीरपुर की राठ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निशाने पर विपक्ष रहा। उन्होंने नाम लिये बिना कहा कि ये समाजवादी नहीं परिवारवादी तो थे ही वास्तव में ये तमंचावादी भी थे। उन्होंने कहा कि हमने सपा, बसपा और कांग्रेस के जिन्न को बोतल में बंद कर दिया है। ये प्रदेश के विकास के अपशकुन हैं, इन्हें जितना दूर करोगे प्रदेश का विकास भी उतना ही तेज होगा। उन्होंने राठ विधानसभा क्षेत्र के ब्रह्मानंद डिग्री कालेज की जनसभा से वैक्सीन का विरोध करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देने की अपील की और पहले मतदान फिर जलपान का नारा लगवाया। उन्होंने कहा अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी में विश्वनाथ धाम और चित्रकूट धाम का निर्माण सिर्फ भाजपा की डबल इंजन की सरकार ही करा रही है। क्या ये काम सपा बसपा कांग्रेस करा पाएगी। ये प्रदेश के उन्होंने माघी पूर्णिमा और संत रविदास जी की जयंती की बधाई दी। कहा कि विश्वविद्यालय बनाने के लिए सभी नियम बना दिए गए हैं। ये कोई सपा बसपा की सरकार नहीं है कि कोई लेनदेन हो, यहां पर पूरी पारदर्शी योजनाएं हैं। कहा, पांच साल पहले इस बुंदेलखंड क्षेत्र की क्या स्थिति थी, यहां खनन माफिया, भूमाफिया हावी थे, पेशेवर अपराधी और डकैतों का एक साम्राज्य चलता था। लेकिन, पांच साल के अंदर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2017 में जो कहा था, भारतीय जनता पार्टी ने वो करके दिखाया था। पांच साल पहले बेटियां सुरक्षित नहीं थी, इन पांच वर्षों में हर बेटी अपने आपको को सुरक्षित महसूस कर रही है, बिना भय और आतंक के स्कूल जा सकती है। पांच साल पहले माफिया और भूमाफिया हावी थे, आज जब मैं यहां स्वामी ब्रह्मानंद जी की पावन स्थली पर आया हूं तो मैं देख रहा था कि यहां के नौजवानों ने बुलडोजर भी सामने खड़ा कर दिया है। ये बुलडोजर विकास का प्रतीक

भी है और माफिया की छाती पर उनकी अनैतिक कमाई पर चढ़ाने का प्रतीक भी है। यही आश्वासन देने आया हूं कि अगर हमने सुरक्षा का बेहतर माहौल दिया, बुंदेलखंड के विकास की योजनाओं को आगे बढ़ाया है, जिस बुंदेलखंड में लोग कहते थे पानी नहीं आज हम हर घर पानी लेकर आ गए हैं। हर गांव और हर घर पेयजल की स्कीम बन गई है। अर्जुल सहायक परियोजना से पांच जनपद सीधे से लाभान्वित होने वाले हैं और अब केन-बेतवा लिंक परियोजना पर काम हो रहा है। इसका पानी हमीरपुर लाने के लिए भी योजना बनाने को कहा है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे और डिफेंस कॉरीडोर पर काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी और परिवारवादी नहीं थे, वास्तव में ये तमंचावादी भी थे। इन्होंने बुंदेलखंड में हर क्षेत्र में तमंचा फैक्ट्री लगाने का कार्य किया था, इन्होंने नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ करने का काम किया था। आज बुंदेलखंड में तोप बनाने का कारखाना, फाइटर प्लेन बनाने का कारखाना भारतीय जनता पार्टी की सरकार डिफेंस कॉरीडोर के माध्यम से लगा रही है। अभी बनने दीजिए बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे बनेगी तो यहां उद्योग भी लगेंगे, हमारे नौजवानों को नौकरी के लिए बुंदेलखंड छोड़कर नहीं जाना पड़ेगा। यहां हर घर को पानी, हर घर पानी और हर खेत में पानी पहुंचाने से यहां के किसान सोना उगाने का काम करेंगे। यहां का किसान भी खुशहला होगा और नौजवान भी खुशहाल होगा। यहां पर पर्यटन की ढेर सारी संभावनाएं हैं, इससे यहां के आम जनमानस की आस्था का सम्मान रहेगा ही और यहां के नौजवानों के रोजगार का माध्यम भी इस पर्यटन के विकास से सृजित करेंगे। अपील करने आया हूं कि एक बात बताइये- कोरोना काल खंड में सपा बसपा कांग्रेस के नेता कहीं थे, कहीं दिखाई दे रहे थे। ये परिवारवादी, वंशवादी, जो बहुरूपिया ब्रांड समाजवाद का, वंशवाद का माफियावाद का, तमंचावाद का आया है, क्या ये लोग भी कहीं थे। कहीं अतापता लग रहा था इनका। लेकिन, कोरोना काल में भी डबल इंजन की सरकार काम कर रही थी ना, फ्री में गैस, फ्री में उपचार, फ्री में वैक्सीन। सौ फीसद लोगों ने वैक्सीन ली है, यही वैक्सीन लोगों बचा रही है। जिस तरह हमने सपा, बसपा और कांग्रेस के जिन्न को बोतल में बंद करके खारिज कर दिया है वैसे ही कोरोना के जिन्न को भी बोतल में बंद करके हमेशा के लिए रख दिया है। जो लोग वैक्सीन का विरोध कर रहे थे, आज उन्हें चुनाव में मुंहतोड़ जवाब देने की आवश्यकता है।

भाजपा के 3 प्रत्याशियों की एक और सूची जारी, यहां देखें अब तक कितने टिकट घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बुधवार को एक और सूची जारी की है। उम्मीदवारों की लिस्ट में तीन नाम शामिल हैं। इस तरह भाजपा और सहयोगी दलों के कुल 400 प्रत्याशी अब तक घोषित हो चुके हैं। भाजपा ने बुधवार को तीन और प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इस सूची में दो जिलों वाराणसी और सोनभद्र के प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। पार्टी की ओर से जारी लिस्ट के अनुसार सेवापुरी विधानसभा सीट से नीलरतन सिंह पटेल, राबर्स्टगंज से भूपेश चौबे और दुद्धी सुरक्षित सीट से रामदुलार गौड़ को उम्मीदवार घोषित किया गया है। इससे पहले भाजपा ने नौ प्रत्याशियों की घोषणा शनिवार को की थी। जिसमें मुहम्मदाबाद-गोहना पर पार्टी पहले ही प्रत्याशी घोषित कर चुकी थी, लेकिन नई सूची में विधायक श्रीराम सोनकर का टिकट काटकर पूनम सरोज को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, पिछले चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ने वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर से मुकाबले में भाजपा ने कालीचरण राजभर को उतारा है।

यूक्रेन पर रूस के हमले की आशंका अब भी बनी हुई है: बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की आशंका अब भी बनी हुई है।

उनका यह बयान तब आया है, जब अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन यूरोप में बढ़ते संकट के बीच क्षेत्र की यात्रा पर रवाना हुए हैं।

बाइडन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का ऐसा कोई भी कदम ''खुद को चोट पहुंचाने'' वाला साबित होगा। उन्होंने मॉस्को को आगाह किया कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश ''निर्णायक'' रूप से प्रतिक्रिया देंगे।

उन्होंने कहा कि अमेरिका इस मुद्दे को हल करने के लिए कूटनीतिक तरीके से बातचीत के लिए अब भी तैयार हैं। उसने कहा कि रूस के 1,50,000 से अधिक सैनिक अब भी यूक्रेन सीमा पर एकत्रित हैं।

क्रेमलिन ने यूक्रेन पर हमला करने की योजना से बार-बार इनकार किया है, लेकिन मांग की है कि नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) यूक्रेन और अन्य पूर्व सोवियत देशों को अपने सदस्यों के तौर पर शामिल न करें।

बाइडन ने मंगलवार को यहां व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, ''आक्रमण की आशंका अब भी बनी हुई है, इसलिए मैंने कई बार कहा है कि सभी अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षित लौटने में देर करने से पहले यूक्रेन छोड़ देना चाहिए। हमने

अपना दूतावास अस्थायी रूप से कीव से लीव स्थानांतरित कर दिया है।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''द्वितीय विश्वयुद्ध की आवश्यकता थी, लेकिन अगर रूस यूक्रेन पर हमला करता है तो यह मर्जी से किया गया युद्ध या बिना वजह का युद्ध होगा। मैं उकसावे के लिए नहीं, बल्कि सच बोलने के लिए ये चीजें कहता हूं क्योंकि सच, जवाबदेही मायने रखती है। अगर रूस आने वाले कुछ दिनों और हफ्तों में हमला करता है तो यूक्रेन के लिए मानवीय क्षति बहुत ज्यादा होगी।''

उन्होंने कहा, ''अगर रूस यूक्रेन पर हमला करता है तो पूरा अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसकी निंदा करेगा। दुनिया यह नहीं भूलेगी कि रूस ने बिना वजह मौत और बर्बादी चुनी। यूक्रेन पर हमला करना खुद को चोट पहुंचाने वाला साबित होगा। अमेरिका और हमारे सहयोगी निर्णायक रूप से प्रतिक्रिया देंगे।''

बाइडन ने कहा कि अमेरिका और नाटो रूस के लिए खतरा नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''यूक्रेन रूस को धमका नहीं रहा है। न ही अमेरिका और न ही नाटो के पास यूक्रेन में मिसाइलें हैं। हमारी वहां मिसाइलें तैनात करने की योजना भी नहीं है।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन में अमेरिकी सैनिकों को भेजने से भी इनकार किया। उन्होंने कहा, ''मैं यूक्रेन में लड़ाई के लिए अमेरिकी सैनिकों को नहीं भेजूंगा। हमने यूक्रेन की सेना को उनकी रक्षा करने में मदद करने के लिए उपकरण भेजे हैं। हमने उन्हें प्रशिक्षण और परामर्श दिया है। अमेरिका पूरी ताकत के साथ नाटो क्षेत्र की एक-एक इंच जमीन की रक्षा करेगा।''

कोविड-19 : सिंगापुर में 19,420 नए मामले, सात और लोगों की मौत

सिंगापुर । सिंगापुर में कोरोना वायरस के 19,420 नए मामले सामने आए तथा सात और लोगों की मौत हो गई।

संक्रमण के नए मामलों में से 241 लोग विदेश से आए थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को सात और लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद देश में कोरोना वायरस के कारण मारे गए लोगों की कुल संख्या 913 हो गई।

सिंगापुर में अभी तक 4,97,997 लोग संक्रमित पाए गए हैं। देश में टीकाकरण के लिए पात्र 94 प्रतिशत आबादी का पूर्ण टीकाकरण किया जा चुका है और करीब 64 प्रतिशत लोगों को बूस्टर खुराक लग चुकी है।

अमेरिका में क्रैश हुआ विमान, हादसे में चार नाबालिग समेत 8 लोगों की मौत

ब्यूफोर्ट (अमेरिका) । अमेरिका में नॉर्थ कैरोलीना के तट के पास रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए एक छोटे विमान में सवार चार किशोर समेत आठ लोगों की इस हादसे में मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

कार्टेरट काउंटी के शेरिफ की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाला पायलट और अन्य सभी यात्री नॉर्थ कैरोलीना के निवासी थे। इसके मुताबिक, मृतकों की उम्र 15 से 67 वर्ष के बीच थी।

कनाडा ट्रक विरोध प्रदर्शन : ओटावा के पुलिस प्रमुख को बर्खास्त किया गया

ओटावा। कनाडा की राजधानी में पिछले दो सप्ताह से आवागमन बाधित करने वाले ट्रक चालकों के विरोध प्रदर्शन के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने पर आलोचना का शिकार होने वाले ओटावा के पुलिस प्रमुख को मंगलवार को बर्खास्त कर दिया गया।

इसके साथ ही अमेरिका-कनाडा सीमा पर अवरोधकों की संख्या घटकर अब केवल एक रह गई।

प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा कनाडा के आपातकालीन कानून का प्रयोग करने और विरोध प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी और वित्तीय कार्रवाई करने की चेतावनी देने के एक दिन बाद यह दोनों घटनाएं सामने आईं।

सैकड़ों ट्रक चालकों के विरोध प्रदर्शन पर कार्रवाई करने में विफल रहने पर ओटावा के पुलिस प्रमुख पीटर स्लोली को नौकरी से निकाल दिया गया। स्लोली की बर्खास्तगी की घोषणा करने वाली ओटावा पुलिस सेवा बोर्ड की अध्यक्ष डायेन डीन्स ने कहा, ओटावा के अन्य निवासियों की तरह मैंने भी इस विरोध प्रदर्शन को देखा।

स्लोली ने एक बयान में कहा कि उन्होंने शहर को सुरक्षित रखने के लिए सब कुछ किया। उन्होंने कहा कि उन्हें अप्रत्याशित स्थिति का सामना करना पड़ा। ओटावा पुलिस बोर्ड ने कहा कि प्रदर्शन में लगभग चार वाहन शामिल थे जो अब घटकर 360 रह गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि सीमा पर अब एक केवल एक अवरोधक रह गया है जो नार्थ डकोटा के सामने मनिटोबा के एमरसन में है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि बुधवार तक सारे प्रदर्शनकारी चले जाएंगे।

उम्मीद की किरण : अब क्रीमिया से भी लौटने लगी रूस की सेना

मास्को। यूक्रेन पर रूस के हमले की संभावनाओं के बीच उम्मीद की किरण नजर आई है। रूस ने क्रीमिया में अपने सैन्य अभ्यास की समाप्ति की घोषणा कर दी है।इसके बाद रूस की सेना अब क्रीमिया से भी लौटने लगी है। इसे यूक्रेन के लिए राहत का संकेत माना जा रहा है। यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर बार-बार कयास लगाए जा रहे हैं। इन कयासों के बीच रूस के रक्षा मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी एक वीडियो में कहा गया है कि क्रीमिया से सेना वापस आ रही है। इस वीडियो में टैंकों और सैन्य वाहनों को क्रीमिया से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि सैनिक भी अपने स्थाई ठिकानों पर लौट आएंगे। दरअसल यूक्रेन को घेरने के लिए रूस की व्यूह रचना में क्रीमिया भी शामिल था। रूस ने बेलारूस, क्रीमिया व पश्चिमी रूस में सेनाएं तैनात कर यूक्रेन पर हमले की तैयारी की थी। अग्रिम मोर्चों पर सैन्य टुकड़ियों के साथ हेलीकॉप्टर व बमवर्षक विमान तैनात किये गए थे। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन ने मंगलवार को साफ कहा था कि रूस ने यूक्रेन पर हमले का विचार बदल दिया है। इसी कारण रूसी सैनिक अपने स्थायी ठिकानों की ओर लौट रहे हैं। पुतिन के इस दावे के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इसे स्वीकार नहीं किया था। उन्होंने रूस से सेना की वापसी का सबूत मांगा था। इसके बाद रूस ने आधिकारिक रूप से यह वीडियो जारी किया है।

सोमालिया की राजधानी के बाहर अल-शबाब के हमले में छह की मौत

नैरोबी। सोमालिया की राजधानी के बाहरी इलाके में अल-शबाब चरमपंथी संगठन के आतंकियों द्वारा बुधवार को किये गए हमले में पांच लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। सोमालिया की सरकार ने कहा कि सुबह हुए हमले में मोगादिशु के बाहर स्थित पुलिस की चौकियों को निशाना बनाया गया। अल-कायदा से जुड़ा संगठन अल-शबाब मोगादिशु को निशाना बनाता रहा है तथा संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने चेताया है कि यह समूह सोमालिया के वर्तमान चुनावी संकट का फायदा उठाकर और हमले कर सकता है। देश में चुनाव में एक साल से अधिक समय से विलंब हो रहा है।

मगरमच्छ के 9.60 करोड़ साल पुराने कंकाल में मिला डायनासोर का अवशेष

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में क्रेटेशियस काल के मगरमच्छ की एक नई प्रजाति की खोज की गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका अंतिम भोजन एक युवा डायनासोर था। 'ब्रोकन डायनासोर किलर कहे जाने वाले मगरमच्छ के अवशेष को क्वींसलैंड के बाहरी इलाके में एक शीप स्टेशन से बरामद किया गया है। माना जाता है कि यह 9.60 करोड़ वर्ष से अधिक पुराना है। साइंस पत्रिका 'गोंडवाना रिसर्च में यह शोध प्रकाशित किया गया है। रिसर्च पेपर के अनुसार, 2.5 मीटर लंबे मगरमच्छ के पेट के अंदर वैज्ञानिकों ने एक युवा ऑर्निथोपोड डायनासोर के अवशेषों की पहचान की।

विशेषज्ञों के लिए चौंकाने वाली बात

शोधकर्ताओं ने कहा कि मगरमच्छ के जीवाश्म एक साथ मिलाते हुए, उन्होंने यह चौंकाने वाली खोज की। मगरमच्छ के पेट के अंदर से एक युवा ऑर्निथोपोड डायनासोर का आंशिक अवशेष मिला। 'द ऑस्ट्रेलियन एज ऑफ डायनासोर म्यूजियम के शोधकर्ता डॉ. मैट व्हाइट ने बताया, यह असाधारण है। यह पहली बार है कि एक मगरमच्छ की खोज की गई है, जिसके पेट से डायनासोर का अवशेष मिला है।

क्षेत्र का पहला कंकाल अवशेष

यह इस क्षेत्र में रिपोर्ट किए गए ऑर्निथोपोड का पहला कंकाल अवशेष है और पहला सबूत है कि मगरमच्छ ऑस्ट्रेलिया में डायनासोर खाते थे। खोज से यह भी पता चलता है कि डायनासोर क्रेटेशियस फूड वेब का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे। उन्होंने कहा, डायनासोर फूड चेन में बिल्कुल शीर्ष पर नहीं थे, लेकिन स्तनधारियों, टेरोसॉर, पक्षियों और मगरमच्छों के एक जटिल वेब का हिस्सा थे। इससे हमने यह निष्कर्ष निकाला है कि मगरमच्छ का खाद्य स्रोत क्या था और वे कुछ भी खाने में सक्षम थे, जो उनके करीब आता था।

हड्डियों को जमीन से निकालना था मुश्किल

इस बात के प्रमाण हैं कि ऑर्निथोपोड प्रजाति के डायनासोर चोंच और दांतों से भरे गाल वाले होते थे और छोटे पौधे खाते थे। ये डायनासोर 10 करोड़ से अधिक वर्ष पहले पृथ्वी पर घूमते थे। डॉ. व्हाइट ने बताया कि ऑर्निथोपोड बहुत छोटे डायनासोर थे। उनका वजन 1.7 किलोग्राम के करीब था। डॉ. व्हाइट ने कहा कि मगरमच्छ के अवशेष को पारंपरिक तरीकों से जमीन से निकालने में काफी परेशानी हो रही थी, क्योंकि उसकी हड्डियां बहुत नाजुक थीं, इसलिए शोधकर्ताओं ने जीवाश्म की एक्स-रे छवि को एक साथ जोड़ने के लिए नई तकनीक का उपयोग किया।

अमेरिका के अनुरोध पर होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति हर्नांडेज को गिरफ्तार किया गया

तेगुसिगल्पा। होंडुरास की पुलिस ने देश के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ओरलैंडो हर्नांडिंज को उनके घर से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

अमेरिका ने नशीले पदार्थों की तस्करी और इसके लिए हथियारों का इस्तेमाल करने के मामले में हर्नांडेज को गिरफ्तार करके प्रत्यर्पित किए जाने का अनुरोध किया था।

हर्नांडेज को गिरफ्तार किए जाने से कुछ ही समय पहले होंडुरास के एक न्यायाधीश ने उनकी गिरफ्तारी के आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। अदालत के प्रवक्ता मेल्विन डुअर्टे ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ऑफ जस्टिस ने इस मामले के निपटारे के लिए

मंगलवार सुबह एक न्यायाधीश को नामित किया था, जिसके कुछ घंटों बाद उन्होंने गिरफ्तारी के आदेश पर हस्ताक्षर किए।

हर्नांडेज के भाई जुआन एंटोनियो 'टोनी' हर्नांडेज को मार्च 2021 में इसी मामले में आजीवन कारावास की सजा दी गई थी।

सिंगापुर की संसद ने वर्कर्स पार्टी के नेताओं को लोक अभियोजक के पास भेजने के पक्ष में किया मतदान

सिंगापुर। सिंगापुर की संसद ने, शपथ लेकर झूठ बोलने के आरोपी वर्कर्स पार्टी के महासचिव प्रीतम सिंह और सांसद फैसल मनप को जांच के लिए लोक अभियोजक के पास भेजने के पक्ष में मतदान किया है। सदन के नेता इंद्राणी राजा के दो प्रस्तावों पर चार घंटे तक चली बहस के बाद मतदान हुआ।

चैनल न्यूज एशिया की खबर के अनुसार, सदन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ली सीएन लूंग ने इसे भविष्य के लिए सबसे अच्छा कदम बताया।

वर्कर्स पार्टी की सांसद रईसा खान ने यह स्वीकार करने के बाद पिछले साल सांसद पद से इस्तीफा दे दिया था कि उन्होंने तीन अगस्त

और चार अक्टूबर को सदन में झूठ बोला था। उन्हें संसदीय विशेषाधिकार का उल्लंघन करने के लिए 35,000 सिंगापुरी डॉलर का जुर्माना भरना पड़ा।

विशेषाधिकार समिति (सीओपी) ने 10 फरवरी को अपनी अंतिम रिपोर्ट में कहा था कि वह ''संतुष्ट'' है कि सिंह ने शपथ के तहत सबूत देते हुए झूठ बोला था।

संसद के पास इन मामलों को लोक अभियोजक के पास भेजने का अधिकार है।

अमेरिकी सांसदों ने क्वाड के सदस्य देशों के मंत्रियों की बैठक की सराहना की

वाशिंगटन। अमेरिकी सांसदों ने 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की हाल में हुई बैठक की प्रशंसा की है।

भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया क्वाड के सदस्य देश हैं। इन देशों के विदेश मंत्रियों ने हाल में मेलबर्न में बैठक की थी। इस दौरान नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की अस्थिरकारी भूमिका और यूक्रेन पर रूस के हमले की आशंका पर चर्चा की थी।

यह बयान सांसद जोआक्विन कास्त्रो, एड्रियन स्मिथ, जो कर्टनी, माइक गैलाघर, ब्रैड शर्मन, स्टीव

चाबोट और अमी बेरा ने जारी किया था।

जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत के लिए संसद के कॉकस के सह-अध्यक्षों ने कहा कि पिछले हफ्ते की बैठक सितंबर 2021 में हुए शिखर सम्मेलन के परिणामों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि क्वाड कोविड-19 टीकों के वितरण, मानवीय सहायता, पर्यावरण, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी कदमों और साइबर सुरक्षा पर सहयोग को आगे बढ़ाकर साझा मूल्यों में निहित हिंद-प्रशांत के भविष्य के लिए एक सकारात्मक दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है।

सांसदों ने उम्मीद जताई कि अमेरिका और क्वाड हिंद-प्रशांत में अन्य देशों और बहुपक्षीय संगठनों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा।

बारिश के बाद भूस्खलन, बाढ़ के कारण 18 लोगों की मौत.. रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

रियो डी जिनेरियो। ब्राजील में रियो डी जिनेरियो के पर्वतीय क्षेत्र में अत्यंत भारी बारिश के बाद भूस्खलन और बाढ़ के कारण कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। प्राधिकारियों ने मंगलवार देर रात यह जानकारी दी।

मृतक संख्या और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि बचाव दल पेट्रोपोलिस क्षेत्र के प्रभावित इलाके में पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं। इस क्षेत्र में 2011 में भारी बारिश के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी।

रियो राज्य के दमकल विभाग ने एक बयान में बताया कि 180 सैन्यकर्मी बचाव अभियान में जुटे हैं। विभाग ने बताया कि इलाके में दिन में तीन घंटे के भीतर 25.8

सेंटीमीटर बारिश हुई, जो इससे पहले के 30 दिन में हुई बारिश के बराबर है।

रूस की यात्रा पर गए ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो ने ट्वीट किया कि उन्होंने अपने मंत्रियों को बारिश के कारण प्रभावित हुए लोगों की तत्काल मदद करने के निर्देश दिए हैं।

ग्वाटेमाला में भूकंप के झटके 96 किलोमीटर गहराई से हिली धरती

ग्वाटेमाला सिटी। मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में भूकंप के तेज झटके महसूस किये गए हैं। रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता वाले भूकंप के झटकों के पीछे 96 किलोमीटर गहराई से धरती हिलने को कारण माना जा रहा है। फिलहाल किसी जान-माल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है।

पहले भी भूकंप के मुहाने पर रहा मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला बुधवार को एक बार फिर तेज भूकंप के झटकों का साक्षी बना।अमेरिका के नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक ग्वाटेमाला में बुधवार सुबह आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.1 नापी गयी है। भूकंप इतना तेज था कि क्षेत्र के लगभग सभी लोगों ने इसके झटके को महसूस किया है। एनसीएस के अलावा यूरोपियन मेडिटेरियन सिस्मोलॉजी सेंटर (ईएमएससी) ने भी तीव्र भूकंप की पुष्टि की है।

ईएमएससी की ओर से बताया गया कि भूकंप 96 किलोमीटर गहराई में आया था। संतोषजनक पहलू यह है कि फिलहाल किसी तरह के नुकसान या किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। इसके अलावा क्षेत्र में सुनामी की चेतावनी भी जारी नहीं की गई है। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, भूकंप को इसके केंद्र वाले क्षेत्र में लगभग सभी लोगों ने महसूस किया है। इस कारण छोटे-मोटे नुकसान की आशंका व्यक्त की गयी है। वैसे भी ग्वाटेमाला में भूकंप आना कोई नई बात नहीं है। रिस्क जोन के अंतर्गत आने के कारण यहां हमेशा ही भूकंप का खतरा बना रहता है।

स्पेसएक्स के स्टारशिप लॉन्च में हो रही देरी

वशिंगटन । फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) की पर्यावरण समीक्षा ने स्पेसएक्स के स्टारशिप रॉकेट के पहले कक्षीय परीक्षण की तारीख को आगे खिसका दिया है। एफएए ने घोषणा की कि वह 28 मार्च तक टेक्सास के बोका चीका में लॉन्च साइट की अपनी पर्यावरण समीक्षा को पूरा करने के लिए परीक्षण की तिथि को बढ़ा रहा है। गौरतलब है कि एलोन मस्क ने हाल ही में पुष्टि की थी कि समीक्षा पूरी होने के तुरंत बाद स्टारशिप की पहली कक्षीय परीक्षण उड़ान के लिए योजना है। परीक्षण की तिथि 28 फरवरी को निर्धारित की गई थी। एफएए की नई घोषणा के बाद परीक्षण उड़ान के अप्रैल या उसके बाद होने की संभावना है। एफएए के

मूल्यांकन में सार्वजनिक सुरक्षा के मुद्दों, राष्ट्रीय सुरक्षा या विदेश नीति की चिंताओं, बीमा आवश्यकताओं और पर्यावरणीय प्रभाव की समीक्षा शामिल है। दक्षिण टेक्सास में स्टारबेस साइट में एफएए की समीक्षा मूल रूप से 31 दिसंबर को पूरी होने वाली थी, लेकिन देरी हुई। यह समीक्षा स्पेसएक्स के स्टारशिप को कक्षा में स्थापित करने की अनुमति प्राप्त करने का एक अनिवार्य हिस्सा है। मस्क ने 11 फरवरी को दो साल से अधिक समय में अपना पहला प्रमुख स्टारशिप अपडेट प्रदान किया था। स्पेसएक्स का स्टारशिप भविष्य में अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह मंगल ग्रह पर एक शहर बनाने के लिए तथा उपकरणों और लोगों को लाल ग्रह पर ले जाने के लिए प्रयुक्त होगा। मस्क ने कहा, मुझे लगता है कि हम एक ही समय में नियामक अनुमोदन और हार्डवेयर की तैयारी पर नज़र रख रहे हैं।

दुनिया भर में गत 28 दिन में आठ करोड़ से अधिक मामले दर्ज

वाशिंगटन। विश्व में पिछले 28 दिन में कोरोना के आठ करोड़ से अधिक मामले सामने आए हैं, जिससे संक्रमितों की कुल संख्या 41 करोड़ से अधिक हो गई है। इस बीच दस अरब से अधिक लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक दुनिया भर में कोरोना के मामलों की कुल संख्या 415,508,498 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 5,837,873 पहुंच गया है। वहीं 10,25,71,09,696 लोगों ने वैक्सीन ले ली है। वहीं पिछले 28 दिनों में दुनिभर में 80,087,386 मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 277,725 लोगों ने संक्रमण ले अपनी जान गंवा दी, जबकि 711,095,887 और लोगों ने वैक्सीन ली। उल्लेखनीय है कि दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के शीर्ष दस देशों में अमेरिका पहले स्थान पर है, जहां इस महामारी के कुल मामलों की संख्या

78,038,251 और अब तक कुल 925,441 लोगों की मौत हो चुकी है। गत 28 दिनों की अवधि में अमेरिका में 10,331,268 नये मामले सामने आये जबकि 67,649 लोगों की मौत हुई। दूसरे स्थान पर फ्रांस है जहां कोरोना के कुल मामलों की संख्या 22,028,588 है और यहां अब तक 136,577 लोगों ने महामारी से अपनी जान गंवा दी। फ्रांस में पिछले 28 दिन के दौरान 7,034,887 नये मामले सामने आये हैं जबकि 7,558 और मरीजों की मौत हो गयी। वहीं, भारत में जहां कुल संक्रमितों की संख्या 42,723,558 हो गई है। पिछले 28 दिन के दौरान देश में 4,792,618 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि इस अवधि में 22,167 लोगों की मौत हो गई है, जिससे मृतकों का आंकड़ा 509,872 पहुंच गया है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के लोगों के अधिकार का सम्मान करें ट्रुडो : अमेरिका स्थित हिंदू संगठन

वाशिंगटन। अमेरिका स्थित एक हिंदू संगठन ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो से शांतिपूर्ण रूप से विरोध प्रदर्शन करने के लोगों के अधिकार का सम्मान करने का आग्रह किया है।

'हिंदूपैक्ट' नामक संगठन के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने कहा, ''कनाडा में विरोध प्रदर्शनों और उन्हें दबाने के लिए अपनाए जा रहे कठोर तौर-तरीकों एवं कदमों के बारे में आ रही खबरों को लेकर मुझे खेद है। वहां स्थिति बेहद चिंताजनक है और हम सभी अपने परिवारों और दोस्तों के लिए बहुत चिंतित हैं।''

हिंदूपैक्ट ने एक बयान जारी कर ट्रुडो से शांतिपूर्वक विरोध प्रदर्शन करने के कनाडा के लोगों के अधिकार का सम्मान करने का आग्रह किया है।

हिंदू संगठन ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार किसी भी लोकतंत्र में मौलिक अधिकार है। कनाडा में असंतोष की आवाज को दबाने के लिए एक आपातकालीन आदेश की घोषणा एक दुखद उदाहरण है।

'हिंदूपैक्ट' ने ट्रुडो और न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता जगमीत सिंह से भी आग्रह किया कि वे ''स्वास्तिक'' की तुलना नाजी प्रतीक ''हकेनक्रेज'' से न करें। स्वास्तिक हिंदुओं, बौद्ध अनुयायियों, सिखों और दुनिया भर के कई अन्य समुदायों के लिए एक प्राचीन और शुभ प्रतीक माना जाता है।

ट्रुडो और जगमीत सिंह दोनों ने हाल के दिनों में प्रदर्शनकारियों पर ''स्वस्तिक लहराने'' का आरोप लगाते हुए बयान दिए थे।

उत्सव चक्रवर्ती ने कहा, ''हमारा मानना है कि इस गलत बयानबाजी से हिंदुओं और सिखों के खिलाफ नफरत की भावना पैदा होगी। पिछले एक महीने में ही कनाडा में छह हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की गई और लूटपाट की गई।''

सदर बाजार के व्यापारियों ने किया शराब ठेकों के विरोध में प्रदर्शन

व्हिस्की में नहीं शिक्षा में छूट मिले - परमजीत सिंह पम्मा

नई दिल्ली। दिल्ली में नई शराब नीति का आए दिन विरोध हो रहा है जहां एक तरफ राजनीतिक पार्टियां व कई संस्थाएं इसका विरोध कर रही है अब वही अब व्यापारियों का भी गुस्सा फूट पड़ा है और वह भी शराब कंपनियों व ठेकों के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के वाइस चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा की अध्यक्षता में कुतुब रोड चौक पर शराब के ठेके के बाहर व्यापारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया इस अवसर पर फेडरेशन के अध्यक्ष राकेश यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतपाल सिंह मंगा, उपाध्यक्ष पवन खंडेलवाल, कमल कुमार, महासचिव राजेंद्र शर्मा व्यापारी नेता हरजीत सिंह छाबड़ा युवा व्यापारी नेता दीपक मित्तल, गोपाल ग्रोवर ने संबोधित किया।

इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने कहा बड़े दुख की बात है एक तरफ तो रेजिडेंस एरिया के साथ-साथ धार्मिक स्थलों व स्कूलों के पास भी ठेके खोल दिए गए हैं और दूसरी तरफ कंपनियां अपनी शराब की सेल बढ़ाने के लिए लोगों को ऑफर दे रही है जिससे बड़ी-बड़ी लाइनें शराब के ठेकों के बाहर लग गई है यहां तक कि जो दुकानों और फैक्ट्रियों की लेबर है वह अपने कामकाज छोड़कर दिनभर शराब लेने के लिए ठेकों के बाहर लगाई में खड़े रहते हैं और अगले दिन में कामकाज पर नहीं आते इससे व्यापार जगत को काफी नुकसान हो रहा है।

पम्मा व राकेश यादव ने कहा ने कहा कि सरकार को अगर कोई नीति बनानी भी है वह शराब की बजाय शिक्षा की छूट के ऊपर कोई स्कीम लाए क्योंकि कई लोगों की करोना काल में नौकरियां चली गई है और रोजगार नहीं है।

बजट पर दिल्ली सरकार को मिले साढ़े पांच हजार सुझाव

रवि शंकर तिवारी

नई दिल्ली। वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट को लेकर दिल्लीवालों ने दिल्ली सरकार को साढ़े पांच हजार सुझाव भेजे हैं। सरकार ने बजट में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने और यूनिक आइडिया के लिए सुझाव मांगे थे। जनता को सुझाव भेजने के लिए लिए 15 फरवरी तक का समय दिया गया था।

दिल्ली सरकार को मिले सुझावों में ई-वाहन बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों की पार्किंग सस्ती करना, मोहल्ला स्तर पर सौर ऊर्जा संयंत्रों का पालन करने जैसे कई सुझाव मिले हैं। इसके अलावा पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी केजरीवाल सरकार को दिल्लीवालों ने सुझाव भेजे हैं। दिल्ली सरकार का कहना है कि बजट पर हमें जिस तरह जनता का सुझाव मिला है, इससे साफ है कि केजरीवाल सरकार ने शानदार काम किया है। जनता ने सुझावों के साथ दिल्ली सरकार की पहले घोषित कई योजनाओं की तारीफ भी की है। सरकार की योजनाओं को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है, लोगों ने इस पर सुझाव दिए हैं। इसमें ई-वाहन नीति को लेकर कई सुझाव मिले हैं। एक सुझाव में मोहल्ला क्लीनिक के तर्ज पर मोहल्ला पुस्तकालय बनाने की बात कही गई है, जिससे लोगों को घर के नजदीक पढ़ने के लिए किताबें उपलब्ध हो। लोगों ने मुफ्त बिजली योजना की तारीफ करने के साथ सुझाव दिया है कि हमें सौर ऊर्जा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए मोहल्ला स्तर पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाने चाहिए, जिससे हर मोहल्ले का सौर ऊर्जा बैंक तैयार हो सकेगा। इसके अलावा सरकार द्वारा विकसित मजबूत शिक्षा प्रणाली से प्रभावित होकर एक व्यक्ति ने वयस्कों के लिए भी इसी तरह की सुविधा की मांग की है। उनका कहना है कि दिल्ली सरकार ने बेहतरीन बुनियादी ढांचा और कई तरह के पाठ्यक्रम विकसित किए हैं, जिनका लाभ वयस्कों को भी मिल सकता है। इन स्कूलों में वयस्कों के लिए शाम की कक्षाओं के संचालन की मांग की गई है। एक अन्य व्यक्ति ने बिजनेस ब्लास्टर्स की तर्ज पर छोटे कोरोबारियों के लिए उद्यमी-निवेशक सम्मेलनों और कार्यक्रमों का सुझाव दिया है। एक युवा छात्र ने शैक्षणिक संस्थानों और भीड़-भाड़ वाली कॉलोनियों के पास ई-बाइक रेंटल प्वाइंट लगाकर दिल्ली में ई-बाइक को बढ़ावा देने का सुझाव दिया है। इसके अलावा छोटे पैमाने के सामुदायिक सौर ऊर्जा संयंत्रों, स्थानीय बायो गैस संयंत्रों और सीवेज उपचार संयंत्रों, पार्कों की सिंचाई के लिए उपचारित पानी के उपयोग और घर-घर से ई-कचरा संग्रह का सुझाव मिला है। दिल्लीवालों की तरफ से दी गई प्रतिक्रियाओं का एक बड़ा हिस्सा शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास के क्षेत्रों से संबंधित है, जिनमें सभी सरकार हर साल अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा खर्च करती है।

दरोगा ने नाले में कूदकर झपटमार को पकड़ा

नई दिल्ली। बुराड़ी थाने में तैनात एसआई ने झपटमार को पकड़ने के लिए नाले में छलांग लगा दी। पुलिस ने झपटमार अलाउद्दीन उर्फ कालिया को पकड़कर युवती से छीना फोन भी बरामद कर लिया है। उसके दूसरे साथी की तलाश की जा रही है।

डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि मंगलवार शाम को विभागीय बैठक के बाद एसएचओ बुराड़ी राजेंद्र प्रसाद थाने लौट रहे थे। तभी गोल चक्कर पर एक युवती मिली, जिसने बताया कि बदमाश उसका फोन झपटकर भागे हैं। एसएचओ ने वायरलेस पर मैसेज देने के साथ ही मुकुंदपुर की तरफ भाग रहे बदमाश का पीछा शुरू किया। इसी रूट पर आगे एसआई दीपक शर्मा के नेतृत्व में जगुआर गश्त कर रही थी। जगुआर की टीम ने रास्ता आगे से रोक दिया और पीछे एसएचओ एवं अन्य पुलिसकर्मी आर रहे थे। रास्ता बंद देखकर बदमाश रिंग रोड पर स्कूटी छोड़कर नाले में कूद गए। इस पर एसआई दीपक एवं अन्य पुलिसकर्मी ने सूखे नाले में कूद कर आरोपी अलाउद्दीन उर्फ कालिया को पकड़ लिया। उसके कब्जे से पीड़िता का फोन भी बरामद कर लिया।

सात साल बाद भगोड़ा अपराधी गिरफ्तार, नाम बदल कर रह रहा था

नई दिल्ली। आईपी इस्टेट पुलिस ने चोरी के मामले में सात साल से फरार भगोड़ा घोषित अपराधी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने गिरफ्तारी के वक्त फर्जी नाम बताया और जमानत पर बाहर आने के बाद असली नाम से अस्पताल में नौकरी कर रहा था।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2015 में सुभाष चंद की शिकायत पर आईपी इस्टेट थाने में चोरी की एफआईआर दर्ज हुई थी। पुलिस ने आरोपी राकेश को गिरफ्तार किया था, लेकिन जमानत के बाद वह फरार हो गया। फिर बीते साल फरवरी में कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। राकेश की जमानत देने वाले शख्स की मौत हो चुकी थी। इस बीच सूचना मिली कि राकेश अनवर हुसैन के नाम से डीडीयू अस्पताल में काम कर रहा है। जांच के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इस बार भी वह खुद को अनवर हुसैन बता रहा था, लेकिन फिंगर प्रिंट ब्यूरो में जब उसकी उंगलियों का मिलान कराया गया तो वह राकेश से हूबहू मिल गया। पूछताछ में पता चला कि अनवर ही उसका असली नाम है। गिरफ्तारी के वक्त उसने अपना और पिता का नाम गलत बताया था। इस खुलासे के बाद ठगी की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली में चार साल पहले भाभी पर फेंका था तेजाब, गिरफ्तार

नई दिल्ली। रोहिणी सेक्टर-18 दिल्ली पुलिस की क्राइम बेंच ने एसिड अटैक मामले के आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसने मंगोलपुरी दिल्ली इलाके में साल 2018 में अपनी भाभी पर अन्य साथियों के साथ मिलकर तेजाब फेंक कर हमला किया था। आरोप है कि उसने अपनी भाभी के साथ मारपीट भी की थी। आरोपित जावेद है और पुलिस ने उसे वजीरपुर में उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया है। आरोपित ने कबूला है कि साल 2007 में उनकी बहन नजमीन ने समशुद्दीन निवासी एफ ब्लॉक, मंगोलपुरी, दिल्ली से शादी की। समशुद्दीन का अपने भाई सलीमुद्दीन के साथ लंबे समय से संपत्ति का विवाद है, जिसके कारण उनके बीच अक्सर झगड़ा होता था। दोनों भाई दिल्ली के मंगोलपुरी में एक ही मोहल्ले में रहते हैं।

यूजीसी नेट का परिणाम अगले एक-दो दिनों में

नई दिल्ली। यूजीसी की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) का परिणाम अगले एक-दो दिनों में घोषित किया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोविड-19 महामारी के कारण यूजीसी द्वारा दिसंबर-2020 की यूजीसी नेट आयोजित नहीं कराई गई थी। इसके मद्देनजर दिसंबर 2020 और जून 2021 की परीक्षा (यूजीसी नेट) एक साथ राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा 20 नवंबर 2021 और 5 जनवरी 2022 के बीच आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि परीक्षा 81 विषयों में देश के 239 शहरों में 837 केंद्रों में आयोजित की गई थी। यूजीसी नेट के लिए 12 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था।

शाहदरा में पिंक बैरिकेड की शुरुआत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के स्थापना दिवस पर बुधवार को शाहदरा जिले में पिंक बैरिकेड की शुरुआत की गई। जिले के हर थाना क्षेत्र में दो पिंक बैरिकेड लगाए गए हैं। इन पर महिला पुलिसकर्मी हथियारों के साथ मौजूद रहेंगी।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पहली बार पिंक बैरिकेड की शुरुआत की गई। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि अब तक बैरिकेड पर पुरुष पुलिसकर्मी ही तैनात रहते थे, लेकिन अब हर थाना क्षेत्र में दो पिंक बैरिकेड रहेंगे। इन पर महिला पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगी, जो महिलाओं से अपराध करने वालों पर नजर रखेंगी। पिंक बैरिकेड पर तैनात महिला पुलिसकर्मी हथियारों से लैस भी रहेंगी। जिनका इस्तेमाल जवाबी कार्रवाई में करेंगी।

हवाईअड्डे पर 2 करोड़ की हेरोइन के साथ एक धरा

नई दिल्ली।। दिल्ली हवाईअड्डे पर कस्टम विभाग ने 2.67 करोड़ कीमत की हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को दबोचा है। आरोपी युगांडा का रहने वाला है। कस्टम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, 4 फरवरी को शारजहां से उड़ान संख्या जी9-463 टर्मिनल 3 पर पहुंची। इस उड़ान से आए यात्रियों की सुरक्षा जांच के दौरान एक व्यक्ति के हावभाव संदिग्ध दिखे। शक होने पर उससे पूछताछ की गई। छानबीन में पता चला कि उसके पेट में नशीले पदार्थ के 30 कैप्सूल हैं।

जानकारी के मुताबिक, 18 कैप्सूल हवाईअड्डे पर निकाल लिए गए। 12 कैप्सूल राम मनोहर लोहिया अस्पताल में डॉक्टरों के परामर्श के बाद निकाले गए। कस्टम अधिकारियों के मुताबिक, 30 कैप्सूल से कुल 382 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। कस्टम विभाग के मुताबिक पहले भी इस रूट से कुछ लोग नशीला पदार्थ लेकर भारत में दाखिल हो चुके हैं। आरोपी का पुराना यात्रा रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। आरोपी के गिरोह में सक्रिय अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है।

भाजपा पर झूठे और मनगढंत आरोप लगाने के खिलाफ अदालत ने 'आप' नेताओं को समन जारी किया

विवेक राय

मनगढंत आरोप लगाकर माफी मांगना 'आप' नेताओं की फितरत है : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। राउस एवेन्यू की विशेष अदालत ने आज भारतीय जनता पार्टी पर लगाए गए झूठे और मनगढंत आरोपों पर संज्ञान लेते हुए स्वास्थ मंत्री सत्येन्द्र जैन, जलबोर्ड उपाध्यक्ष राघव चड्ढा, आप के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज एवं विधायक आतिशी मार्लेना के खिलाफ समन जारी कर 14 मार्च को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के स्थायी समिति के अध्यक्ष छैलबिहारी गोस्वामी द्वारा दायर मानहानी की याचिका पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने उपरोक्त फैसला सुनाया है। पार्टी की तरफ से इस मामले को अधिवक्ता नीरज, विजय जोशी एवं शुभेन्दू मुखर्जी ने अदालत के सामने रखा।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि एक नवंबर 2020 को आम आदमी पार्टी के नेताओं ने संवाददाता सम्मेलन बुलाकर यह झूठा आरोप लगाया था कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम में 2100 करोड़ रुपये का प्रोपर्टी टैक्स बनता है लेकिन 700 करोड़ रुपये ही एकत्र होता है और बाकी के पैसे भाजपा के नेता भ्रष्टाचार करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के स्वच्छ छवि वाले नेताओं को बदनाम करने की नियत से मनगढंत और झूठे तथ्यहीन आरोप लगाना आम आदमी पार्टी की फितरत रही है और मानहानी का मुकदमा होने पर अदालत के सामने माफी मांग लेना भी इनकी आदत बन चुकी है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कई बार भाजपा के नेताओं पर झूठे आरोप लगाकर उनकी छवि धूमिल करने का असफल प्रयास कर चुके हैं और बाद में अदालत के समक्ष माफी मांगकर अफसोस भी जाहिर कर चुके हैं। इसी हथकंडे को अपनाकर आम आदमी पार्टी के नेता निगम को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि केजरीवाल सरकार पर निगम का 13000 करोड़ रुपया बकाया है। जिसकी मांग को लेकर भाजपा और चुने हुए निगम पार्षद लगातार मांग कर रहे हैं लेकिन आम आदमी पार्टी निगम के हक का पैसा देने की जगह भाजपा नेताओं पर मनगढ़ंत आरोप लगाती रही है। दिल्ली की जनता सब कुछ देख रही है कि

गिलोय पूरी तरह सुरक्षित, नहीं है हानिकारक

नई दिल्ली।

पिछले कुछ दिनों से फिर से गिलोय/गुडूची के इस्तेमाल से लीवर के खराब होने की भ्रामक खबरें आ रही हैं, जबकि यह पूरी तरह सुरक्षित है। आयुष मंत्रालय ने दोबारा स्पष्ट किया है कि गिलोय/गुडूची (टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया) पूरी तरह से सुरक्षित है और उपलब्ध तथ्यों के अनुसार यह हानिकारक (टॉक्सिक) नहीं है।

गिलोय को आयुर्वेद में सबसे अच्छी कायाकल्प जड़ी बूटी कहा गया है। गिलोय के रिसर्च से पता चलता है कि इसके इस्तेमाल से कोई नुकसान नहीं होता है। हालांकि, किसी दवा का प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि इसका उपयोग कैसे किया जा रहा है। इसमें किसी भी दवा की खुराक की मात्रा सबसे जरूरी होती है जो उस दवा की सुरक्षा को निर्धारित करती है।

रिसर्च में सामने आया कि गिलोय पाउडर की निश्चित मात्रा से फ्रूट फ्लाई (ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर) की लाइफ बढ़ी, जबकि ज्यादा मात्रा ने फ्रूट फ्लाई की लाइफ को कम कर दिया। यह ये दर्शाता है कि किसी भी दवा व औषधि का लाभ लेने के लिये एक निश्चित खुराक को बनाये रखना बहुत जरूरी है। रिसर्च में यह निष्कर्ष निकला कि औषधि का लाभ लेने के लिये एक अच्छे डॉक्टर की सलाह पर निर्धारित खुराक लेनी चाहिये। आयुर्वेद में गिलोय किसी खजाने से कम नहीं है क्योंकि इसके इस्तेमाल से कई रोगों से छुटकारा मिलता है।

गिलोय का यूज एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक, एंटी-हाइपरलिपिडेमिक, हेपेटोप्रोटेक्टिव, कार्डियोवस्कुलर प्रोटेक्टिव, न्यूरोप्रोटेक्टिव, ऑस्टियोप्रोटेक्टिव, रेडियोप्रोटेक्टिव, एंटी-चिंता, एडाप्टोजेनिक, एनाल्जेसिक, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-पायरेटिक के रूप में किया जाता है। वहीं इसका इस्तेमाल डायरिया, अल्सर और कैंसर को मात देने के लिये किया जाता है। साथ ही पाचन संबंधी समस्या और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर भी इसका यूज किया जाता है। इतना ही नहीं कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी को मात देने के लिये भी इसका उपयोग किया जा रहा है।

नशे के विरोध में बैठक आयोजित

नई दिल्ली। नई सीमापुरी की झुग्गियों में नशे के विरूद्ध पब्लिक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय निगम पार्षद मोहिनी जिनवाल एव क्षेत्रीय एस एच ओ विनय कुमार यादव ने शिरकत की। इस अवसर पर मोहिनी जिनवाल ने कहा कि इस क्षेत्र में सभी प्रकार के नशे के आदी बच्चे हो रहे है इसके विरोध में जिन कार्यकर्ताओ ने आवाज उठाई उनपर ड्रग तस्करो ने हमला भी किया है अब हम सब लोग इन ड्रग तस्करो के विरूद्ध एक जुट होकर लड़ेंगे और क्षेत्र से नशे के कारोबार को समाप्त करके यहाँ के बच्चों के जीवन को बचाएंगे। एस एच ओ विनय यादव ने कहा कि दिल्ली पुलिस ड्रग के कारोबार को इस क्षेत्र से समाप्त करने के लिए इस मुहिम में जनता के साथ है किसी भी अपराधी को यहाँ पनपने नही किया दिया जाएगा। सभा मे मुख्य रूप से जमील भाई, अनवर, शहादत, अशरफ, गुलाम रसूल, हाफिज शाहजहाँ, सैफुद्दीन, अबूबकर भोला, कुलदीप, के अलावा सेकड़ो लोगो ने भाग लिया।

संत रविदास मंदिर में पीएम मोदी ने की पूजा-अर्चना, भक्तों के साथ बजाय झांझ

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को संत रविदास की भक्ति में सरोबार नजर आएं। उनकी जयंती के अवसर पर वह करोलबाग स्थित श्री गुरु रविदास विश्रामधाम में पहुंचे और मत्था टेककर देश की उन्नति व देशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। वैसे, पंजाब व उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बीच उनके इस दर्शन-पूजन के राजनीतिक निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। इन दोनों राज्यों में अनुसूचित जाति के मतदाता प्रभावी भूमिका में हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक इसका असर निश्चित ही चुनाव में देखने को मिलेगा। पंजाब की सियासत में श्री गुरु रविदास की अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनकी जयंती को देखते हुए ही पूर्व से घोषित 14 फरवरी को पंजाब की कुल 117 विधानसभा सीटों के मतदान की तिथि में बदलाव करते हुए चुनाव आयोग द्वारा उसे 20 फरवरी किया गया है, क्योंकि श्री रविदास जयंती के अवसर पर पंजाब से बड़ी संख्या में उनके अनुयायी वाराणसी स्थित उनकी जन्मस्थली श्रद्धा से शीश नवाने जाते हैं। वैसे, वर्ष 2016 में वहां भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जयंती उत्सव में शामिल हुए थे।

ऐसी मान्यता है कि मंदिर वाले स्थान पर श्री गुरु रविदास 10 दिन रूके थे। ऐसे में इस पवित्र स्थल की रविदास समाज के साथ समाज के सभी वर्गों में गहरी आस्था है। पूरे 40 दिन तक धूमधाम से जयंती मनाई जाती है। यहां स्थित मंदिर में दर्शन के बाद प्रधानमंत्री तुरंत पंजाब स्थित पठानकोट में रैली को संबोधित करने निकल गए।

प्रधानमंत्री मंदिर में तकरीबन आधा घंटा रहे। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत कुमार गौतम, प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता, करोलबाग के जिलाध्यक्ष राजेश कुमार गोयल व पार्टी के अन्य पदाधिकारियों के साथ मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों ने पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में स्थित संत रविदास की मूर्ति के सामने श्रद्धा से शीश नवाया। उन्हें भक्तिभाव से पुष्प अर्पित किए, आरती उतारी और प्रार्थना की।

केजरीवाल के सात साल के कुशासन और गलत नीतियों के कारण दिल्लीवालों को विकास नही बदहाली मिली है : चौ. अनिल कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविन्द केजरीवाल के मुख्यमंत्रीत्व में पिछले 7 सालों में कुशासन, अक्षमता और गलत नीतियों ने कांग्रेस शासन द्वारा विकसित दिल्ली का विकास पूरी तरह ठप्प हो गया है। केजरीवाल की भ्रम फैलाने की राजनीति के कारण दिल्ली में शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था धवस्त हो गई है और 8 लाख रोजगार देने का झूठा वादा करने के बाद दिल्ली बेरोजगारी में नम्बर वन बना दी है। नशा मुक्ति का नारा देने वाले केजरीवाल ने नई शराब नीति में भ्रष्टाचार करके पूरी दिल्ली को नशे की राजधानी बना दिया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का दावा कि 7 साल में दिल्ली बेमिसाल पूरी तरह निराधार तर्क विहिन है।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि जब कांग्रेस ने दिल्ली की सत्ता छोड़ी थी तब दिल्ली के लिए एक मजबूत स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणाली को छोड़ा था, चहुमुखी विकसित दिल्ली, प्रदूषण मुक्त, स्वच्छ और विश्व में नम्बर वन हरित राजधानी थी। आज केजरीवाल की कुशासन में प्रदूषण से परेशान है, यमुना प्रदूषित होकर गंदे नाले में तबदील हो गई है, उन्होंने दिल्लीवालों के विकास के लिए कुछ नही किया, चुनावी राज्यों में केजरीवाल केवल खोखले बेबुनियाद वायदे करके वहां के लोगों को भ्रमित कर रहे है। उन्होंने कहा कि पिछले 7 वर्षों में केजरीवाल सरकार न तो कोई नया अस्पताल बनाया और 500 स्कूल और 20 कॉलेज खोलने और 8 लाख रोजगार देने का वायदा पूरी तरह से खोखला साबित रहा।

भ्रष्टाचार खत्म कर जनता को दे रहे सहूलियतें : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली।

दिल्ली में दूसरी बार सरकार बनाने के दो साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम भ्रष्टाचार खत्म करके ईमानदार राजनीति कर रहे हैं। इसके चलते हम जनता को मंत्रियों और अफसरों जैसी सुविधाएं दे रहे हैं और दिल्ली की जनता को मुफ्त बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।

केजरीवाल के मुताबिक, उनकी सरकार ने दिल्ली के ढांचागत विकास के साथ भ्रष्टाचार को भी खत्म किया है। इसी का नतीजा है कि योजनाएं कम लागत में पूरी हो रही हैं। इससे जो लाखों-करोड़ों बच रहे हैं, उससे जनता को सुविधाएं दे रहे हैं। केजरीवाल सरकार जब 2015 में सत्ता में आई, तब से अब तक 27 फ्लाईओवर बन चुके हैं और सात पर काम चल रहा है। वहीं 34 फुट ओवरब्रिज बनाए गए और 13 पर काम चल रहा है। इनमें रैंप, फ्लाईओवर विस्तार और अंडरपास भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री के मुताबिक पहले हर काम में भ्रष्टाचार होता था। अधिकारी से लेकर कर्मचारी और सरकार के मंत्री तक इस भ्रष्टाचार का हिस्सा थे। इस वजह से कम लागत वाली योजनाओं की अनुमानित लागत भी बहुत ज्यादा होती थी, क्योंकि इसमें सबका हिस्सा होता था। उन्होंने बताया कि जब हम सत्ता में आए तो दिल्ली में चल रही योजनाओं को समय से पहले पूरा किया और जनता से मिले करोड़ों रुपये बचाए। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि मधुबन चौक से मुकरबा चौक कॉरिडोर बनाने की अनुमानित लागत करीब 422 करोड़ रुपये थी, लेकिन दिल्ली सरकार ने इसे 297 करोड़ रुपये में तय समय पर पूरा कर लिया। इस योजना में हमने 125 करोड़ रुपये बचा लिए। इसी तरह कई योजनाओं में सरकार ने करोड़ों रुपये की बचत की और इसी पैसे से दिल्ली की जनता को मुफ्त बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं दी जा रही हैं।

अरविंद केजरीवाल के मुताबिक हम बस अपना काम कर रहे हैं, उसका ज्यादा प्रचार नहीं करते हैं। यह दिल्ली की जनता पर है कि वो हमारे काम का प्रचार करें। हम काम करने में विश्वास करते हैं, गंदी राजनीति नहीं करते हैं। दिल्ली सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में बहुत काम किया है और हमारा काम बोल रहा है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने न केवल बड़े ढांचागत योजनाओं पर काम किया, बल्कि आम जनता की सहूलियत के मद्देनजर सड़कों, सीवेज लाइनों आदि का निर्माण भी किया।

केजरीवाल सरकार ने इन योजनाओं पर बचाया पैसा

योजना	अनुमानित लागत	वास्तविक लागत	बचाया
मधुबन चौक से मुकरबा चौक फ्लाईओवर	422	297	125
मंगोलपुरी से मुधुबन चौक फ्लाईओवर	423	323	100
विकासपुरी से मीरा बाग एलिवेटेड कॉरिडोर	560	460	100
प्रेमबाड़ी पुल से आजादपुर कॉरिडोर	247	137	110
शास्त्री पार्क और सीलमपुर में बने फ्लाईओवर	303	250	53
जगतपुरी में सड़क पर बना फ्लाईओवर	80	72	8
भलस्वा फ्लाईओवर	65	45	20
बुराड़ी फ्लाईओवर	57	42	15
मुकुंदपुर चौक फ्लाईओवर	62	50	12
मयूर विहार के पास बने फ्लाईओवर	50	45	05

सम्पादकीय

स्मृति शेष: सत्य व निर्भीकता का संगम थे राहुल बजाज

आर.के. सिन्हा

राहुल बजाज के निधन के बाद अब उनके जैसे निर्भीक उद्योगपतियों को तलाश करना आसान नहीं है। वे सच के साथ खड़े होने वाले बेखौफ उद्योगपति थे। आप उन्हें सच कहने से रोक नहीं सकते थे।

कार और बाइक पर लेटेस्ट अपडेट पाने के लिए यहां क्लिक करें

देखा जाए तो वे निर्भीक इसलिए थे क्योंकि उनके पास सत्य की शक्ति थी। सत्य के प्रति निष्ठा उन्हें विरासत में मिली थी। उनके दादा जमनालाल बजाज स्वाधीनता सेनानी और गांधीजी के घनिष्ठ साथी थे। गांधीजी जमनालाल बजाज को अपना पांचवां पुत्र मानते थे। अब जो इंसान गांधीजी से इतना करीब हो, उसका सत्य के साथ खड़ा होना स्वाभाविक ही है। इस पर आश्चर्य किस बात का।

राहुल बजाज ने लगभग आधी सदी तक बजाज ऑटो का नेतृत्व किया। कोई सामान्य बात नहीं है कि कोई शख्स इतने लंबे समय तक देश के इतने महत्वपूर्ण औद्योगिक समूह के शिखर पर रहे और उसे नई बुलंदियों पर लेकर जाता रहे। उन्होंने 1965 में संभाला था बजाज समूह का जिम्मा। उनके कुशल नेतृत्व में बजाज ऑटो का टर्नओवर 7.2 करोड़ से 12 हजार करोड़ तक पहुंच गया और यह स्कूटर और मोटरसाइकिल बेचने वाली देश की नंबर एक कंपनी बन गई। आज उनके समूह की मार्केट कैपिटल एक लाख करोड़ रुपए से अधिक है। इसमें हजारों मुलाजिम काम करते हैं और इसके लाखों अंश धारक हैं। बजाज ऑटो का 1970 से लेकर 1990 के दशक में स्कूटर बाजार पर कब्जा रहा। हालांकि उसके बाद हीरो, होंडा और टीवीएस जैसी कंपनियों के भी उत्पाद बाजार में आने से राहुल बजाज की कंपनी को चुनौती तो मिलने लगी। लेकिन, बाजार में उसका दबदबा बना रहा। उसने अपने स्कूटर बनाने तो बंद कर दिए पर बजाज पल्सर मोटरसाइकिल ने दो पहिया वाहनों के सेग्मेंट में एक बार फिर उसे वैसा ही अहम स्थान दिलवा दिया।

बेशक, राहुल बजाज की कंपनी के स्कूटरों ने भारत के मिडिल क्लास को उसकी अपनी निजी सवारी दी थी। स्कूटर का मतलब बजाज ही होता था। यह वह दौर था जब देश में कार की क्रांति आने में अभी वक्त था। उस दौर में बजाज स्कूटर होना ही शान समझा जाता था। राहुल बजाज की कंपनी बजाज का चेतक स्कूटर मिडिल क्लास भारतीय परिवारों की आकांक्षाओं का प्रतीक बना।

राहुल बजाज ने लंबी पारी खेलने के बाद अप्रैल 2021 में बजाज ऑटो के अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, उन्हें पांच साल के लिए इसके एमेरिटस चेयरमैन के रूप में नियुक्त किया गया था। वे 2006 में महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद भी रहे। उनमें किसी तरह का श्रेष्ठता-बोध या बड़ा उद्योगपति होने का घमंड नहीं था। वे संसद भवन में अन्य सांसदों के अलावा संसद कवर करने वाले पत्रकारों से भी खूब घुल-मिलकर बातें करते थे। उनसे बात करते ही समझ आ जाता था कि वे कितने कुलीन और सुसंस्कृत परिवार से आते हैं।

राहुल बजाज उन लोगों में से थे जो एकबार कोई फैसला लेने के बाद पीछे नहीं हटते थे। उन्होंने अपने स्कूटर की फैक्ट्री पुणे के पास एक छोटी-सी जगह अक्रूडी में लगाने का फैसला किया तो उनके बहुत से मित्रों को दिक्कत हुई। वे मुंबई छोड़ रहे थे। आखिर मुंबई कौन छोड़ता है। उन्होंने अक्रूडी में फैक्ट्री लगाई जहां पहुंचना भी कठिन था। पर उन्होंने वहां फैक्ट्री की स्थापना के साथ ही तमाम दूसरी सुविधाओं की भी व्यवस्था की। उनके इस कदम से महाराष्ट्र के एक पिछड़े इलाके का विकास हुआ और वहां के लोगों की जिंदगी बदल गई। उनमें खुशहाली आ गई।

बेशक, राहुल बजाज का निधन देश के लिए बड़ी क्षति है। देश ने एक ऐसा दूरदर्शी व्यक्ति खो दिया है जिन पर देश गौरवान्वित महसूस करता था। उनकी राष्ट्र निर्माण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता थी। सच में, देश के औद्योगिक विकास में उनके योगदान का कोई सानी नहीं है। इस लिहाज से जे.आर.डी. टाटा के बाद वे सबसे बुलंद शख्सियत के रूप में सामने आते हैं।

राहुल बजाज अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति सदैव सजग रहे। वे अपने साथी उद्यमियों से भी उम्मीद रखते थे कि वे सब भी राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे। वे भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के दो बार अध्यक्ष रहे। एक तरह से कह सकते हैं कि वे सीआईआई को खड़ा करने वालों में से थे। उनकी सरपरस्ती में सीआईआई देश के चोटी के उद्यमियों की प्रमुख संस्था बनी।

बजाज आटो समूह के फाउंडर चेयरमैन राहुल बजाज दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफंस कॉलेज से पढ़े थे। यह 1960 के दशक की बात है। वे कई बार अनौपचारिक बातचीत में बताते भी थे कि वे सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़े हैं। उनका दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया से भी संबंध था। दरअसल राहुल बजाज के दादा जमनालाल बजाज ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कई बार आर्थिक मदद की थी। उनके नाम पर जामिया में एक बिल्डिंग भी है। यानी जामिया को याद है जमनालाल बजाज का एहसान। जामिया अलीगढ़ से दिल्ली 1925 में शिफ्ट हुई थी। उसके दिल्ली आने के बाद गांधीजी के साथ जमनालाल बजाज और महादेव देसाई का जामिया में आना-जाना लगा रहता था। जामिया परिवार के लिए गाँधीजी और जमनालाल बजाज सदैव आदरणीय रहेंगे। राहुल बजाज उन उद्योगपतियों में से थे जिनकी शख्सियत की सरलता, सज्जनता और विनम्रता सबको प्रभावित करती थी। वे संबंध निभाते थे। यह बात कम लोगों को पता है कि राहुल बजाज और चोटी के रेडियो कमेंटेटर जसदेव सिंह बेहद करीबी रिश्तेदार थे। दरअसल, जसदेव सिंह की सास गीता देवी बजाज को स्वाधीनता सेनानी जमनालाल बजाज पुत्री ही मानते थे। यह संबंध सदैव बने रहे। आगे चलकर गीता बजाज की पुत्री और जसदेव सिंह की पत्नी कृष्णा जी और राहुल बजाज भाई- बहन के संबंधों को आगे लेकर चले।

रोजगार और वेतन निर्धारण नीति

कुलभूषण उपमन्यु

किसी भी देश में सरकारी कर्मचारी ही सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने का कार्य करते हैं। हर वर्ष सरकारें अपनी आय के आधार पर विकास नीतियां और कार्यक्रम बनाती हैं। एक निश्चित अल्पकाल में सरकार की आय हमेशा सीमित ही रहती है। इसलिए अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर बजट बनाया जाता है। विकास कार्यों के बिना आम आदमी की रोजी-रोटी और बढ़ती राष्ट्रीय जरूरतों के लिए नित्य वृद्धिमान आर्थिक साधन नहीं जुटाए जा सकते और इस पूरी विकास प्रक्रिया को कर्मचारी शक्ति के बिना नहीं चलाया जा सकता। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि विकास और कर्मचारी व्यवस्था अन्योन्याश्रित हैं। इसीलिए देश में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले केबिनेट सचिव से लेकर चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की व्यवस्था है। कर्मचारियों को कार्यशील बनाने और टिका कर रखने के लिए सरकारें समय-समय पर उचित वेतन निर्धारित करने के लिए वेतन आयोग गठित करती हैं। अभी सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने की प्रक्रिया चल रही है। वेतन आयोग कुछ सिद्धांतों के आधार पर अपने निर्णय करते हैं, जिनमें मुख्य सिद्धांत छह हैं : 1. देश की आर्थिक स्थिति और प्रति व्यक्ति औसत आय से संबंध, 2. निर्वाह व्यय और मूल्य स्तर, 3. न्यूनतम और अधिकतम वेतन में फासला कम से कम रखना, 4. समान काम, समान वेतन, 5. प्रचलित श्रम बाजार भाव जिसमें रोजगार देने वाले दूसरे प्रतिस्पर्धियों के बावजूद कर्मचारी को टिका कर रखा जा सके, 6. सरकार की विशेष नीतियां। इन सिद्धांतों के आधार पर ही कोशिश की जाती है कि सर्व ग्राह्य निर्णय किया जाए, किंतु किस सिद्धांत पर कितना बल दिया जाए, यह तो निर्णय करने वाले आयोग पर ही अधिकतर निर्भर करता है।

यदि पहले ही सिद्धांत की बात करें तो शायद यही निर्णय सबसे कठिन होता है। देश की आर्थिक स्थिति के साथ प्रति व्यक्ति औसत आय का तालमेल बिठाना बहुत कठिन कार्य होता है। न्यूनतम और अधिकतम वेतन में छठे वेतन आयोग ने एक और बारह का अनुपात मान्य किया। किंतु प्रति व्यक्ति औसत आय से संबंधित कोई अनुपात निर्धारित न होने के कारण वेतनमान के कारण समाज में आर्थिक असमानता का खतरा बना रहता है। एक सीमा से अधिक आर्थिक असमानता राष्ट्रीय विकास में एक बड़ी बाधा बन जाती है, क्योंकि जो लोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पौष्टिक आहार, न्यूनतम आवास सुविधा आदि बुनियादी जरूरतों से वंचित रह जाते हैं, वे राष्ट्रीय विकास में अपना योगदान देने के बजाय देश पर बोझ बन जाते हैं जिन्हें आगे प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना देश का कर्त्तव्य बन जाता है। सातवें वेतन आयोग के वेतनमान मिलने के बाद अधिकतम वेतन के साथ यदि औसत आय की तुलना करें तो एक अनुपात चालीस का अंतर लगभग होगा। अधिकतम वेतन कैबिनेट सचिव को 2.5 लाख रुपए जमा 31 फीसदी महंगाई भत्ता जमा अन्य भत्ते हैं। और देश की प्रतिव्यक्ति आय साढ़े ग्यारह हजार रुपए प्रति मास है, जबकि देश में 60 फीसदी के लगभग आबादी औसत आय या उससे कम पर गुजारा कर रही है। और 25 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे गुजर बसर कर रही है। गरीबी रेखा यानी 27 रुपए प्रतिव्यक्ति प्रति दिन में गुजारा। इतनी कम आय में हम किसी से शिक्षा, स्वास्थ्य आदि बुनियादी सुविधाओं में प्रतिस्पर्धा की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। इतनी बड़ी आबादी को प्रतिस्पर्धी आय स्तर तक पहुंचाने के लिए सरकारों के पास साधनों की कमी रहती है। हिमाचल प्रदेश का उदाहरण लें तो प्रदेश के कुल बजट का 50 फीसदी वेतन, पेंशन और कर्ज का ब्याज चुकाने में ही खर्च हो जाता है। सरकार पर इस समय 60 हजार 5 सौ करोड़ रुपए का कर्ज है और नए वेतनमान से कर्ज लेने की गति तेजी से बढ़ने वाली है। जब सरकार चलाने के खर्चे ही इतने ज्यादा हैं तो ढांचागत विकास और रोजगार संवर्धन के लिए पैसा कहां से आएगा।

प्रदेश में लगभग साढ़े आठ लाख बेरोजगार हैं। अब यदि नए वेतनमान लागू होने के बाद वेतन वृद्धि को प्रतिव्यक्ति औसत आय से एक अनुपात बीस से जोड़ दिया जाए तो प्रति व्यक्ति आय एक अनुपात बीस के दायरे में बढ़ जाने पर अपने आप उस अनुपात में वेतन वृद्धि हो जाएगी। इससे परिवार की आय में शायद ज्यादा अंतर न आए, बल्कि उसमें बढ़ोतरी भी हो सकती है क्योंकि इस तरह बचे पैसे का प्रयोग रोजगार सृजन कार्यों में किया जा सकेगा। इसका लाभ कर्मचरियों के बच्चे भी उठा सकेंगे। रोजगार सृजन में स्वरोजगार को वेतनभोगी आय के साथ प्रतिस्पर्धी बनाना होगा क्योंकि अन्यथा लोग सरकारी नौकरी के पीछे ही भागते रहेंगे, जोकि एक सीमा के बाद देना संभव ही नहीं होता है। ज्यादातर सरकारी नौकरियां अनुत्पादक प्रबंधात्मक होती हैं। इन्हें ज्यादा बढ़ाने से राष्ट्रीय उत्पाद में वृद्धि की संभावना कम होती है। सरकारी नौकरी के पीछे एक बड़ा आकर्षण यह भी है कि परिणाम का असर कर्मचारी के वेतन पर नहीं पड़ता और नौकरी से निकाले जाने का खतरा भी नहीं होता। इस स्थिति में निजी रोजगार और स्वरोजगार को पोषित करना चाहिए ताकि यह समतुल्य सरकारी नौकरी से प्राप्त वेतन और सुविधा के साथ प्रतिस्पर्धी बन सकें। तो लोग सरकारी नौकरी की लाइन में लगने के बजाय दूसरे विकल्पों को भी अधिमान देने लगेंगे। आर्थिक असमानता कम होने का एक बड़ा लाभ नागरिकों में आत्म संतुष्टि के भाव में वृद्धि के रूप में मिलता है जिससे अनावश्यक टकराव कम होते हैं और अपराध भी कम होते हैं जिससे राष्ट्रीय कानून व्यवस्था पर खर्च घटता है, जिस बचत को भी रोजगार वृद्धि कार्यक्रमों पर खर्च करके राष्ट्रीय विकास दर में बढ़ोतरी हो सकती है। और यह प्रक्रिया यदि बना कर रखी जाए तो सतत विकास का वातावरण बनेगा जिसमें पूरा समाज लगातार लाभान्वित होता रहेगा।

'आधी आबादी ' को भी कुछ अपने लिये तय कर लेने दो

निर्मल रानी

दुनिया में कहीं भी जब महिलाओं की स्वतंत्रता या उनके अधिकारों की चर्चा छिड़ती है उस समय दुनिया के पुरुषों द्वारा ही सबसे ज़्यादा महिलाओं का महिमांडन करते हुये यह बताने की कोशिश की जाती है कि उनके देश व समाज में किस तरह महिलाओं को स्वतंत्रता हासिल है। कहीं महिलाओं के रुतबे को बढ़ाने के लिये उसे देवी तक का रूप बता दिया जाता है कोई सेना ,जल सेना व वायुसेना में महिलाओं की भर्ती पर इतराता है कोई साधु संत या धर्माधिकारी की गद्दी पर महिला को बिठाकर यह सन्देश देता है कि महिलायें भी पुरुषों के समान हैं। कहीं राजनीति में नाममात्र प्रतिनिधित्व देकर व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी होने का ढिंढोरा पीटा जाता है। गोया पुरुष प्रधान समाज ही इस बात का श्रेय लेने के लिये भी आतुर दिखाई देता है कि देखो- हमने महिलाओं को अमुक अमुक अधिकार प्रदान किये हैं। इतना ही नहीं जब कभी किसी धर्म या जाति विशेष की इस बात के लिये आलोचना होती है कि वहां महिलाओं को आज़ादी नहीं है या उनके अधिकारों का हनन होता है तो उस धर्म जाति विशेष के धर्मगुरु व चिंतक सामने आकर अपने धर्मग्रंथों के कुछ उदाहरण प्रस्तुत कर यह बताने की कोशिश करते हैं कि महिलाओं को इनके समाज ने जितनी आज़ादी दी उतनी किसी दूसरे धर्म या समाज में नहीं।

सवाल यह है कि आधी आबादी के बारे में पुरुषों में बचपन से ही यह धारणा किस आधार पर विकसित की जाती है कि उसके बारे में कोई भी निर्णय लेने का अधिकार प्रायः उसके परिवार के पुरुष समाज को ही है स्वयं महिलाओं को नहीं ? एक लड़की बचपन में ही जब कहीं जाना चाहती है तो उसके साथ कोई पुरुष सदस्य भेजा जाता है। वह कहाँ जाये और कहाँ न जाये यह उसके परिवार का पुरुष तय करता है। बच्ची जब युवावस्था में क़दम रखती है तो इसी पुरुष समाज द्वारा अपनी धार्मिक परंपराओं व रीति रिवाजों का वास्ता देकर उस पर हिजाब व नक़ाब की पाबन्दी लगाई जाती है। जैसे ही वह इसपर अमल करती है वह दूसरे धर्म व समाज के पुरुषों की नज़रों में %अतिवादी % नज़र आने लगती है। ये वर्ग इन लड़कियों से हिजाब उतार फेंकने की ज़िद पर अड़ जाता है। यहाँ तक कि इस विषय को राजनैतिक तूल देकर इसे सांप्रदायिक रंग दिया जाने लगता है। किसी लड़की को स्कूल स्तर तक की शिक्षा लेनी है या कॉलेज जाना है यह भी लड़की नहीं उसके परिवार के पुरुष तय करते हैं।

पुरुषों की इन्हीं बंदिशों,निर्देशों यहाँ तक कि तरह तरह की मानसिक प्रतारणाओं का सामने करते हुये जब यही लड़की विवाह योग्य होती है तो प्रायः उसके जीवन साथी चुनने का निर्णय भी उसके परिवार के पुरुष मुखिया या अभिभावक ही लेते हैं। जबकि ज़िन्दिगी उस लड़की को गुज़ारनी है परन्तु किसके साथ गुज़ारनी है यह लड़की तय नहीं कर सकती। ज़ाहिर है अभिभावक व परिजन अपने संभावित दामाद में जो विशेषतायें तलाश रहे हों वही विशेषतायें लड़की भी तलाश करे यह ज़रूरी नहीं। परन्तु आम तौर पर लड़की पर उसके अभिभावक की पसंद ही थोपी जाती है। और यदि किसी लड़की ने अपने साहस व विवेक का प्रयोग करते हुये अपनी पसंद के किसी लड़के से शादी करने का साहस कर भी लिया तो हमारा यही पुरुष समाज उसे किस गति तक पहुंचा देता है यह किसी से छुपा नहीं है। आये दिन हमारे देश में %ऑनर किलिंग % के नाम से होने वाली हत्याओं की ख़बरें आती रहती हैं। और बड़े गर्व से ऐसी हत्याओं को ऑनर किलिंग का नाम भी दिया जा चुका है।

युवक-युवतियों के परस्पर प्रेम प्रसंग के क़िस्से संभवतः पृथ्वी के अस्तित्व में आने के बाद से ही प्रचलित होने लगे थे। संतों देवताओं ऋषि मुनियों से लेकर पैग़ंबरों व महापुरुषों तक से जुड़ी अनेक दास्तानों में ऐसे क़िस्से सुनने व पढ़ने को मिलते हैं। परन्तु आज यदि कोई युवती अपनी इच्छानुसार अपने किसी प्रेमी युवक से मिलने या उसके साथ घूमने फिरने की इच्छुक हो तो उसे उस अतिवादी व उपद्रवी पुरुष समाज की प्रताड़ना व उनके लठ का सामना करना पड़ता है जो एक दुसरे को जानते ही नहीं। उन उपद्रवियों का पूर्वाग्रह इसी बात को लेकर होता है कि ऐसे प्रेमी उनकी संस्कृति व सभ्यता के दुश्मन हैं। तो क्या किसी युवती को प्रताड़ना देना उसे अपमानित करना किसी सभ्य समाज की संस्कृति व सभ्यता का हिस्सा माना जा सकता है।

जब हम अपनी संस्कृति व सभ्यता की तुलना पश्चिमी देशों की संस्कृति-सभ्यता से करते हैं तो हमें उसमें पाश्चात्य सभ्यता के नाम पर केवल नंगापन ही दिखाई देता है। क्योंकि शायद हमारी नज़रें शरीर के नंगे हिस्से के आगे कुछ देखना ही नहीं चाहतीं। हमें उसकी योग्यता,उसके गुण,उसकी शिक्षा उसकी वैज्ञानिक व आधुनिक सोच जैसे तमाम गुण नज़र नहीं आते। तो क़ुसूर उसके नंगे शरीर का है या पुरुषों की संकीर्ण नज़रों का ? मज़े की बात तो यह है कि यही पुरुष समाज जिसे पाश्चात्य सभ्यता में नंगापन दिखाई देता है वही पुरुष समाज अपने कथित %सांस्कृतिक व सभ्यतावादी % देश में महिलाओं के लिये कितना मान सम्मान रखता है यह पूरी दुनिया को पता है। बलात्कार और जघन्य व क्रूरतापूर्ण बलात्कार के ऐसे ऐसे क़िस्से हमारे देश में सुनने को मिलते हैं जिन्हें सुनकर रूह काँप उठती है। दो महीने की बच्ची से लेकर 85 वर्ष की अति वृद्ध महिला तक को हमारे सभ्यतावादी पुरुष नहीं बख़्शते। यहाँ बाप और भाई की गोद में बेटी बहन सुरक्षित है या नहीं इस बात की कोई गारंटी नहीं है। परन्तु संस्कार,भाषण और योजनाओं के ढिंढोरे व दिखावे में बेटी देवी भी है,पूज्य भी है,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे भी हैं।

लिहाज़ा महिलाओं पर शिकंजा कसने की प्रवृति छोड़कर पुरुष समाज को अपनी सोच,विचार,संकुचित मानसिकता, बदलने की ज़रुरत है। जब महिलाओं को इस बात में कोई आपत्ति या दख़ल नहीं कि कोई पुरुष साधू या नागा क्यों बनता है,कोई अपने लिंग की पूजा क्यों करवाता है,कोई जटा या दाढ़ी क्यों रखता या नहीं रखता है,कोई कितनी पत्नियां रखता है,कोई शाकाहारी या मासांहारी क्यों है,कोई क्या खाता पीता है कहाँ आता जाता है फिर आख़िर सारी बंदिशें व निगरानियाँ महिलाओं के लिये ही क्यों। वैसे भी यदि हम किसी पूर्वाग्रह के बिना निष्पक्ष तरीक़े से सोचें व अपनी खुली नज़रों से देखें तो हम यही पायेंगे कि जिन जिन देशों में महिलायें अपने बारे में कोई भी निर्णय लेने के लिये स्वतंत्र हैं वही देश व समाज तरक़्क़ी भी कर रहा है। और जहां जहां अतिवादी व रूढ़िवादी पुरुष समाज महिलाओं पर अपना वर्चस्व बनाये हुये है वही देश व समाज लगभग सभी क्षेत्रों में पिछड़ा तो है ही,साथ साथ उन्हीं जगहों पर महिलाओं के साथ जुल्म,अत्याचार व बर्बरता की ख़बरें भी अधिक सुनाई देती हैं। लिहाज़ा यदि देश व समाज को आधुनिक समयानुसार आगे ले जाना है तो पुरुषों को स्वयं पर नियंत्रण रखना होगा अपनी विकृत सोच बदलनी होगी। साथ ही विश्व की आधी आबादी को भी कुछ अपने व अपने भविष्य के लिये तय करने का अवसर देना ही होगा।

संत रविदास:सामाजिक समरसता के आध्यात्मिक उपासक

डॉ. अशोक कुमार भार्गव

सामाजिक समरसता के आध्यात्मिक उपासक संत शिरोमणि रविदास जी का जीवन, संघर्षों और चुनौतियों की महागाथा है। जहां उन्हें जन्म से लेकर मृत्यु पर्यंत पग-पग पर प्रताड़ना, यातना, अपमान, तिरस्कार, उपेक्षा और हेय दृष्टि का व्यवहार अनुभूत हुआ।

विभिन्न प्रकार की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक निर्योग्यताओं से संघर्ष करते हुए संत रविदास ने मानवीय गरिमा को सही अर्थों में समझा और अस्पृश्य समाज को समझाते हुए कहा कि तुम हिंदू जाति के अभिन्न अंग हो, तुम्हें शोषित, पीड़ित और दलित जीवन जीने की अपेक्षा मानवाधिकारों के लिए संघर्षरत रहना चाहिए।

संत रविदास का जन्म भारत में जिस काल में हुआ उस समय समाज का स्वरूप अत्यंत विक्षुब्ध, अशांत और संघर्षमय था। आतताइयों के आक्रमण के कारण समाज किंकर्तव्यविमूढ़ स्थिति में था। छोटी-छोटी रियासतों में विभक्त भारतीय रियासतें मिथ्या दंभ और अभिमान में एक-दूसरे से युद्ध कर रही थीं। जर्जर सामाजिक ढांचा रूढ़ियों, प्रथाओं, अंधविश्वासों, मिथ्या आचरणों, आडंबरों और पाखंडों से सराबोर था। छुआछूत और अस्पृश्यता के अवैज्ञानिक और औचित्यहीन अभिशाप का टीका समाज के माथे पर अमिट स्याही से लगाया गया था। जहां आपसी विभेद, वर्ग भेद, जातिभेद, गैर बराबरी, सामाजिक अन्याय और अंतः संघर्ष की पराकाष्ठा समाज की सेहत को प्रदूषित कर रही थी।

ऐसी विषम स्थिति में प्रबुद्ध संत समाज द्वारा पुनर्जागरण का सजीव आंदोलन प्रारंभ हुआ। जिसमें संत रविदास का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। तथापि उनके समग्र आध्यात्मिक अवदान का अभी सही मूल्यांकन नहीं हो सका है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व बहुत विराट, करिश्माई और चमत्कारी घटनाओं से परिपूर्ण था। उन्होंने तत्कालीन समाज की वेदना, पीड़ा और मर्म को समझा और उसके व्यावहारिक समाधान जन भाषा में प्रतिपादित किए। उनकी वाणी में लोक कल्याण का स्वर प्रमुखता से व्यक्त हुआ। वह उन संतों में नहीं थे जो गुफाओं में बैठकर केवल आत्म कल्याण के लिए स्वांतः सुखाय साधना करें। उनका दर्शन पलायनवादी नहीं था। उनकी दृष्टि में वही व्यक्ति साधु है, जिसने सतरुपी परम तत्व को अनुभूत कर अपने व्यक्तित्व से ऊपर उठकर उसके साथ तादात्म्य स्थापित कर लिया हो और जिनके कार्यों से लोक कल्याण की पवित्र धारा प्रवाहित होती हो। संत रविदास का चिंतन आत्मोन्नति सहित परमात्मा के मिलन को साध्य मानकर लोकमंगल की कामना करता है। ईश्वरोन्मुख तो कोई भी व्यक्ति हो सकता है किंतु उसके जीवन में कर्मकांड रहित निर्मल प्रेम और भक्ति का सहज अनुभूति का दिव्य स्वरूप होना चाहिए।

दीनता और विनम्रता की साक्षात प्रतिमूर्ति संत रविदास जी की आध्यात्मिक चेतना सबका मंगल, सदा मंगल और मंगल ही मंगल का उद्घोष करती है जो मनुष्य को जन्म से नहीं वरन सत्कर्म और आध्यात्मिक उपलब्धियों से बड़ा मानती है। उनकी उदार मानवीय दृष्टि दैवी संपदा से युक्त स्फटिक की भांति प्रांजल और वास्तविक अर्थ में चिरप्रणम्य है।

संत रविदास ने धर्म अथवा साधना की कोई शास्त्रीय व्याख्या प्रस्तुत नहीं की किंतु सामाजिक व्यवस्था को विकृत करने वाले छुआछूत, ऊंच-नीच, भेदभाव, अन्याय, शोषण और अनाचार का प्रबल विरोध करते हुए मूल्यहीन परंपराओं की कटु आलोचना की। यद्यपि उनकी आलोचना में किसी प्रकार की वक्रता, उलझन, कर्मकांड और ज्ञान के दिखावे का दंभ नहीं है और ना ही वर्ण तथा जाति भेद का बंधन है। रविदास जी ने समाज की प्रगति और समरसता को अवरुद्ध करने वाली अस्पृश्यता की विकृति, जिसका कोई शास्त्रीय आधार नहीं है, विनम्रतापूर्वक विरोध कर समतावादी समाज की स्थापना पर बल दिया। संत रविदास ने तत्कालीन सामाजिक समस्याओं का व्यावहारिक समाधान उन्मुक्त भाव से व्यक्त करते हुए किसी संप्रदाय का विरोध नहीं किया। वरन उनकी अंतरात्मा को जागृत कर पारस्परिक सद्भाव और बंधुता का संदेश दिया- ÷कृस्न, करीम, राम, हरि, राघव, जब लग एक न पेखा। वेद कतेब कुरान, पुरानन, सहज एक नहिं देखा।।

संत रविदास का जन्म वाराणसी में संवत 1456 को एक निर्धन चर्मकार परिवार में हुआ था। पिता रघु जी जूते गांठने का काम करते थे। रविदास जी बचपन से ही आध्यात्मिक और उदार प्रवृत्ति के थे। उनका कहना था कि सच्ची साधना मनोनिग्रह है। इंद्रियों का दास बने रहने पर भौतिक संपदा पतन का कारण बनती है।

परोपकार की निर्मल भावनाओं के पक्षधर रविदास जी कहते थे कि सामर्थ्य वाले लोगों को अपनी संपदा में दूसरे अभाव ग्रस्तों को भी भागीदार बनाना चाहिए अन्यथा संग्रह किया हुआ अनावश्यक धन, विपत्ति का रूप धारण कर लेता है। वे प्रतिदिन अपने हाथ से बनाए एक जोड़े जूते जरूरतमंदों को बिना किसी भेदभाव के दान किया करते थे। लेकिन पिता को यह उदारता पसंद नहीं थी। उन्हें घर से पृथक कर दिया किंतु रविदास जी को इस बात का कोई मलाल नहीं रहा और मनोयोग पूर्वक बढ़िया जूते बनाने के काम को ही पूजा मानकर निरंतर करते रहे।

संत रविदास की साधना और भक्ति भावना की श्रेष्ठता के कारण काशी राज दंपत्ति तथा चित्तौड़ की झाली रानी और भक्त मीराबाई ने स्वप्रेरणा से बिना किसी दबाव के उन्हें अपना गुरु बनाने का सौभाग्य प्राप्त किया। जो तत्कालीन समाज में संत रविदास की एक असाधारण, अपूर्व और अत्यंत अविरल उपलब्धि थी जिसके कारण वह लोक नायक के रूप में समाज में श्रद्धा और आस्था के प्रतीक बन गए थे।

भक्तमाल में नाभादास ने रामानंद के शिष्य रविदास की विमल वाणी को संशय और संदेह की ग्रंथि को खोलने में सक्षम माना है। रविदास के समकालीन अनेक संतों ने उनकी प्रशंसा की। संत कबीर ने कहा साधुन में रविदास संत हैं। सिखों के धर्म ग्रंथ गुरुग्रंथ साहिब में भी संत रविदास के 40 पद सम्मान के साथ सम्मिलित किए गए। वे कहते थे- यदि ऊंचा बनना चाहते हो तो बड़े कर्म करो। जाति से महानता नहीं मिलती। जो लोग जात-पांत के आधार पर ऊंच-नीच का भेदभाव करते हैं, वे ईश्वर के प्यारे नहीं हो सकते क्योंकि ईश्वर ने ही सभी को बनाया है।

संत रविदास की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी किंतु वे स्वाभिमानी थे। उनकी सहायता करने के उद्देश्य से एक साधु पारसमणि (जिसके स्पर्श से लोहा भी सोना बन जाता है) लेकर उनकी कुटिया पर आए किंतु रविदास जी ने वह पारसमणि लेने से नम्रतापूर्वक इनकार कर दिया और कहा मेरे पास परमात्मा नाम का सच्चा पारसमणि है, जो बड़े से बड़े पापी को भी संत बना देता है। हरि का नाम मेरे लिए कल्पवृक्ष, कामधेनु और चिंतामणि है। मुझे पारस की आवश्यकता नहीं है। रविदास जी अपनी संत मर्यादा का पालन करते हुए किसी की भेंट अपने निजी उपयोग के लिए स्वीकार नहीं करते थे। साधु पारसमणि को उनकी कुटिया के छप्पर में खोंसकर चले गए।

कुछ समय बाद साधु उनकी कुटिया पर लौटे तो उन्हें आश्चर्य हुआ कि संत रविदास की आर्थिक स्थिति में बदलाव नहीं आया। साधु ने पारसमणि का पूछा तो रविदास ने कहा कि आप जहां रख गए होंगे, वहीं उसे ढूंढ लीजिए। वह पारसमणि छप्पर में वैसी की वैसी साधु को प्राप्त हुई। साधु ने कहा संत रविदास तुम्हारी निस्पृहता धन्य है। भक्त मीराबाई ने भी रविदास जी की गरीबी दूर करने के लिए एक कीमती हीरा भेंट करना चाहा किंतु संत रविदास ने उसे स्वीकार नहीं किया। झाली रानी से भी उन्होंने स्वर्ण मुद्राएं स्वीकार नहीं की और कहा कि उनके पास पहले से ही इतना अधिक धन पड़ा है कि उन्हें किसी सांसारिक भेंट की आवश्यकता ही नहीं है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सार समाचार

गुजरात में देश का इतना बड़ा बैंक घोटाला हुआ,उस किसने दबाने की कोशिश की : सांसद राउत

मुंबई । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अंडरवर्ल्ड और उससे जुड़ी संपत्तियों की खरीद-फरोख्त से संबंधित धनशोधन (पीएमएलए) के मामले की जांच के तहत मुंबई में कई स्थानों पर छापेमारी की। इस बारे में शिवसेना सांसद कहा कि गुजरात में देश का इतना बड़ा बैंक घोटाला हुआ, इस मामले को दबाने की कोशिश हुई। शिवसेना सांसद राउत ने कहा कि अगर ईडी के पास कोई जानकारी है,तब देश की सुरक्षा के लिए वे ऐसा कर सकते हैं। लेकिन गुजरात में देश का इतना बड़ा बैंक घोटाला हुआ,उस किसने दबाने की कोशिश की ? 2 साल से मामले की एफआईआर तक नहीं हुई, मुख्य आरोपी भाग कैसे गए ये एक चिंता का विषय है। बता दें कि ईडी अधिकारियों ने अंडरवर्ल्ड से जुड़े लोगों के कई ठिकानों पर छापेमारी की। महाराष्ट्र की राजधानी में लगभग 10 स्थानों पर तलाशी हुई है। यह कार्रवाई धनशोधन निवारण कानून के अंतर्गत की गई। जानकारी के मुताबिक, एक नेता से जुड़े कुछ परिसरों पर भी छापा मारा गया है। ईडी को प्राप्त कुछ खुफिया जानकारी और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस छोड़ते हुए खूब सुना गए पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार

नई दिल्ली । पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। कुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस्तीफा भेजा और कहा कि वह पार्टी से बाहर रहकर देश के लिए बेहतर तरीके से कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा कुमार जाते-जाते कांग्रेस लीडरशिप पर भी सवाल खड़े कर गए हैं। पूर्व कानून मंत्री ने कहा कि कांग्रेस लीडरशिप में दम नहीं है। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद अश्विनी कुमार ने कहा 'कांग्रेस वह पार्टी नहीं है जो वह थी, हमारे पास पार्टी का नेतृत्व करने के लिए एक परिवर्तनकारी और प्रेरक नेतृत्व नहीं है मैंने न तो राजनीति छोड़ी है और न ही जनता की सेवा, मैं राष्ट्र के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन करना जारी रखूंगा।' उन्होंने आगे कहा कि यह एक दर्द भरा फैसला था। मैंने काफी लंबा विचार किया और महसूस किया कि आज जिस तरह से कांग्रेस की आंतरिक प्रक्रियाएं चल रही हैं, मैं अपनी गरिमा और आत्मसम्मान के अनुरूप अब और आगे नहीं बढ़ सकता। मुझे लगा कि मेरे कंधे इतने मजबूत नहीं हैं कि उदासीनता का भार उठा सकें। वरिष्ठ वकील कुमार मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में कानून मंत्री थे। वह 2002 से 2016 तक तीन बार राज्यसभा के सदस्य रहे। वह अतिरिक्त सॉलीशीटर जनरल भी रह चुके हैं। कुमार ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए 20 फरवरी को होने वाले मतदान से कुछ दिनों पहले ही कांग्रेस से इस्तीफा दिया है।

बीएचयू के असिस्टेंट प्रोफेसर ने श्रीराम की जगह अपनी और सीता की जगह पत्नी की तस्वीर लगाई

नई दिल्ली। प्रोफेसर ने भगवान श्रीराम की जगह अपनी और माता सीता की जगह पत्नी की तस्वीर लगा दी है। दृश्य कला संकाय में सहायक आचार्य अमरेश कुमार ने इस चित्र को प्रदर्शनी संकाय के अहिवासी कला दीर्घा में लगाई है। मुकुटधारी श्रीराम-सीता के एक चित्र में माता सीता की छवि तो काल्पनिक है मगर उनके साथ खड़े प्रभु श्रीराम की मुखाकृति की जगह अपनी फोटो लगाई है। इसमें वह चश्मा लगाए हुए हैं। वहीं एक अन्य चित्र में उन्होंने अपना और अपनी पत्नी दोनों की मुखाकृति लगाई है। विरोध शुरू हुआ तो कला दीर्घा से तस्वीर हटा दी गई। मंगलवार को एबीवीपी ने इसे लेकर प्रोफेसर के खिलाफ प्रदर्शन भी किया। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय के सिंहद्वार से संगठन का झंडा लहराते हुए जुलूस निकाला। असिस्टेंट प्रोफेसर और डीन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दृश्य कला संकाय पहुंचे। यहां पहुंचने के बाद छात्रों ने संकाय के प्रवेश द्वार पर धरना दिया धरना शुरू कर दिया। छात्रों ने असिस्टेंट प्रोफेसर अमरेश कुमार और डीन हीरालाल प्रजापति के इस्तीफे की मांग की। इस बीच जब छात्रों के बीच अपना पक्ष रखने के लिए संकाय प्रमुख प्रोफेसर हीरालाल प्रजापति उनके बीच आए तो छात्र उग्रता पर उतारू होने लगे। हालांकि छात्रों का नेतृत्व कर रहे पदाधिकारियों ने छात्रों को उग्र न होने का अनुरोध किया। बावजूद इसके कुछ छात्र उत्तेजक नारे लगाने लगे। छात्र उनकी बातें सुनने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थे बल्कि नारे लगाकर विरोध प्रकट करते रहे। एक ही नारा एक ही नाम जय श्री राम का नारा लगा लगा कर प्रदर्शनकारी डीन और असिस्टेंट प्रोफेसर अमरेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते रहे। छात्रों के इस प्रदर्शन को 2 घंटे से भी अधिक समय बीतने के बाद भी बीएचयू के प्रॉक्टोरियल बोर्ड की ओर से कोई भी अधिकारी या सदस्य मौके पर नहीं पहुंचा था।

संजय राउत बोले- यदि ईडी की छापेमारी राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी है, तो सहयोग करना है जरूरी

मुंबई, शिवसेना के नेता एवं सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि मुंबई में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी यदि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी है, तो महाराष्ट्र सरकार के लिए यह जरूरी है कि वह जांच एजेंसी का सहयोग करे। शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता राउत ने साथ ही सवाल किया कि क्या केंद्रीय जांच एजेंसी गुजरात में सबसे बड़ी बैंक धोखाधड़ी की भी जांच करेगी। प्रवर्तन निदेशालय ने अंडरवर्ल्ड की गतिविधियों, संपत्तियों की अवैध खरीद-फरोख्त और हवाला के जरिये लेन-देन से संबंधित धन शोधन के मामले की जांच के तहत मुंबई में मंगलवार को कई स्थानों पर छापा मारा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी को स्वतंत्र रूप से प्राप्त कुछ खुफिया जानकारी और वर्ष 1993 में मुंबई में हुए बम धमाके के मुख्य साजिशकर्ता दाऊद इब्राहीम के विरुद्ध राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि अवैध खरीद-फरोख्त से जुड़े कुछ नेता भी एजेंसी के रडार पर हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, यदि कोई मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है, तो (राज्य सरकार के लिए यह) जरूरी है कि वह केंद्रीय एजेंसियों का सहयोग करे। (इस पर मिलकर काम करना) केंद्र और राज्य के लिए आवश्यक है। राज्यसभा के सदस्य ने कहा कि राष्ट्रीय एवं आंतरिक सुरक्षा एक बहुत नाजुक मामला है और इस जांच पर कुछ भी बोलना अनुचित होगा। उन्होंने कहा, यदि ईडी सुरक्षा संबंधी जानकारियों के आधार पर जांच कर रहा है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए। यह किसी राजनीतिक दल के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए है। महाराष्ट्र की राजधानी में लगभग 10 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के अंतर्गत की जा रही है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड और उसके तत्कालीन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यह मुकदमा भारतीय स्टेट बैंक की अगुवाई वाले बैंकों के एक संघ से कथित रूप से 22,842 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी के संबंध में दर्ज किया गया है।

जेपी नड्डा ने किया 1984 दंगों का जिक्र, बोले- कांग्रेस ने सिख समुदाय के लोगों की नहीं ली सुध

बठिंडा। (एजेंसी)

पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को बठिंडा के मौड़ मंडी में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सत्ताधारी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बाकी सारी पार्टियां परिवारवादी पार्टी हो गई हैं। पंजाब में भी उनकी सरकार आती है तो उनके परिवार का ही भला होता है। भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास औ? सबका प्रयास के आधार पर आगे बढ़ती है।

उन्होंने कहा कि गरीब, वंचित, दलित, शोषित, पीड़ित, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हर व्यक्ति के के विकास के लिए भाजपा प्रतिबद्ध है। युवाओं को आगे बढ़ाना, महिलाओं का सशक्तिकरण करना ये हमारा लक्ष्य है। जेपी नड्डा ने कहा कि किसानों के नाम पर राजनीति करने वाले बहुत लोग हुए हैं, लेकिन किसानों के लिए जितना काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है, उतना किसी ने नहीं किया।

इसी बीच उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने एक हजार दिन में 18,000 गांव में बिजली पहुंचाई, जिससे 2.5 करोड़ लोगों के घरों तक बिजली पहुंची और पंजाब में आज शत-प्रतिशत बिजली पहुंच गई। किसान के नाम पर राजनीति करने वाले लोग बहुत हुए लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने जो कुछ किया वो किसी और ने नहीं किया। 180 लाख करोड़ रुपए खर्च करके 10.50 करोड़ रुपए किसानों के खाते में हर तीसरे महीने 2000-2000 हजार रुपए पहुंचाए। पंजाब में भी 23 लाख किसानों के खातों में करीब 24,000 करोड़ रुपये पहुंचाए गए।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पंजाब में 132.8 लाख मीट्रिक टन फसल की खरीदी हुई है। पंजाब में 23,000 करोड़ की रिकॉर्ड एमएसपी पर एक साल में खरीदी हुई है जो सारे राज्यों में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि जो काम मोदी जी ने सिख भाइयों के लिए किया, हिंदू-सिख एकता के लिए किया वह भी अभी तक किसी ने नहीं किया है। फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट का अप्रूवल हरमंदिर साहिब को नहीं था, मोदी जी ने अप्रूवल दिया है अब दुनिया भर के श्रद्धालु अपना सहयोग कर सकते हैं।

जेपी नड्डा ने कहा कि पहले गुरुद्वारों पर लगने वाले लंगर पर टैक्स लगता था। किसी ने इस टैक्स को हटाने की मांग नहीं की थी। प्रधानमंत्री जी ने खुद से कहा था कि लंगर पर टैक्स हटना चाहिए। अब लंगर पर टैक्स नहीं लगता है, भारत सरकार 350 करोड़ रुपये जीएसटी का अपनी तिजोरी से भरती है।

लव-जिहाद की 2400 से अधिक पीड़ित महिलाओं ने हिंदू धर्म में की वापसी

नई दिल्ली । लव जिहाद की शिकार 2400 महिलाओं को वापस हिंदू धर्म में परिवर्तित कर दिया है विहिप नेता मिलिंद परांडे ने असम के सिलचर में सोमवार शाम को विहिप कार्यकताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में हर साल 10000 से अधिक हिंदू महिलाओं को इस्लाम या ईसाई धर्म में परिवर्तित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लव-जिहाद एक साजिश का सिद्धांत है कि मुस्लिम पुरुष हिंदू महिलाओं को अलग-अलग तरीकों से शादी के लिए लुभाते हैं और उन्हें इस्लाम में परिवर्तित कर देते हैं। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और केरल में हजारों हिंदू महिलाओं का जबरन धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। इनमें से बड़ी संख्या में महिलाएं लव जिहाद की शिकार हैं। परांडे ने विहिप की सिलचर जिला इकाई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि लगभग सभी के पास जानकारी है लेकिन हमने एक्शन का फैसला लिया है। जब हमारी महिलाओं को फंसाया जा रहा है और सम्मानजनक जीवन से दूर किया जा रहा है तो यह हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लव-जिहाद एक साजिश का सिद्धांत है कि मुस्लिम पुरुष हिंदू महिलाओं को अलग-अलग तरीकों से शादी के लिए लुभाते हैं और उन्हें इस्लाम में परिवर्तित कर देते हैं। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और केरल में हजारों हिंदू महिलाओं का जबरन धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। इनमें से बड़ी संख्या में महिलाएं लव जिहाद की शिकार हैं। परांडे ने विहिप की सिलचर जिला इकाई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि लगभग सभी के पास जानकारी है लेकिन हमने एक्शन का फैसला लिया है। जब हमारी महिलाओं को फंसाया जा रहा है और सम्मानजनक जीवन से दूर किया जा रहा है तो यह हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर साल भारत-बांग्लादेश सीमा के पास के इलाकों में हजारों गायों को मारा जाता है, उन्होंने दावा किया कि भारत में गायों को बचाने के लिए वीएचपी सबसे बड़ा संगठन है।

आपस में लड़ रही कांग्रेस, राजनाथ बोले- गांव बसा नहीं लुटेरे सक्रिय हो गए

नई दिल्ली (एजेंसी)

पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार अपने चरम पर है। भाजपा ने भी पंजाब में पूरी ताकत झोंक दी है। आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पंजाब का दौरा किया और फरीदकोट में चुनावी सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री के बारे में विचार करता हूं तो मुझे लगता है की ऐसे मुख्यमंत्री हैं कि जिनका नियंत्रण अपनी सरकार पर नहीं है। कांग्रेस के मुख्यमंत्री की हालत वैसी है जैसे बिना सैनिकों वाला कोई सेनापति हो। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है जैसो इनको किसी का समर्थन प्राप्त नहीं है। कांग्रेस आपस में ही लड़ रही है। गांव बसा नहीं लुटेरे सक्रिय हो गए हैं। यह हालत है कांग्रेस की।

अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने आम आदमी पार्टी पर भी हमला किया। राजनाथ ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की हर गली में शराब की दुकानें खोली है और पंजाब को नशा मुक्त करने का वादा कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की सरकार बनती है तो हम राज्य से ड्रग्स और आतंकवाद को खत्म करने का काम करेंगे। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी के लोग आपस में ही लड़ते दिखाई दे रहे हैं। उनमें अंदरूनी लड़ाई है। पार्टी के लोग एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। जिस मुख्यमंत्री के हाथ में नियंत्रण नहीं है, वह राज्य का विकास क्या करेगा? राजनाथ सिंह ने कहा कि उनके एक सांसद ने पार्टी कार्यकताओं का पक्ष लेने की बजाय शराब माफियाओं का पक्ष ले रहा है।

इसके साथ ही राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के लिए बहुत काम किया है। हमारी सरकार जनता और किसानों को न्याय देगी। उन्होंने कहा कि पंजाब की कांग्रेस सरकार ने लोगों के साथ न्याय नहीं किया है। यहां के किसानों ने देश को भोजन उपलब्ध कराने का काम किया है। आपको बता दें कि पंजाब में इस बार लड़ाई काफी दिलचस्पी दिखाई दे रही है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के साथ-साथ अकाली दल भी इस बार जबरदस्त लड़ाई में है। वहीं भाजपा ने भी कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ गठबंधन कर पंजाब के चुनावी संग्राम को दिलचस्प बना दिया है। पंजाब में 20 फरवरी को वोट डाले जाएंगे जबकि नतीजे 10 मार्च को आएंगे।

हार्दिक पटेल ने दंगा मामले में दोषसिद्धि पर रोक के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया

अहमदाबाद। (एजेंसी)

गुजरात में दिसंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, कांग्रेस नेता हार्दिक पटेल ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया है कि 2015 के विसनगर दंगा मामले में उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई की जाए। हार्दिक पटेल के वकील ने सोमवार को न्यायमूर्ति बीएन करिया की अदालत से मामले में तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि आज की तारीख में कांग्रेस नेता के चुनाव लड़ने पर रोक है और अगर उनकी अपील पर फैसला हो जाएगा तभी वह चुनाव लड़ सकेंगे। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 28 फरवरी की तारीख तय की है। मेहसाणा जिले के विसनगर की एक सत्र अदालत ने जुलाई 2018 में पटेल को 2015 के पाटीदार आरक्षण आंदोलन के दौरान शहर में दंगा और आगजनी के लिए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। उच्च न्यायालय ने अगस्त 2018 में उनकी सजा को स्थगित कर दिया था, लेकिन उनकी दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगायी थी।

जन प्रतिनिधित्व कानून और उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के अनुसार, दो साल या उससे अधिक की जेल की सजा का सामना करने वाला व्यक्ति तब तक चुनाव नहीं लड़ सकता जब तक कि उसकी दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगा दी जाती। पटेल ने अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देते हुए 2018 में गुजरात उच्च न्यायालय का रुख किया था और इस पर रोक लगाने का अनुरोध किया था।

केंद्रीय विद्यालय ने मुस्लिम लड़कियों के लिए शुरू किया था हिजाब

नई दिल्ली (एजेंसी)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 4 जुलाई 2012 को केंद्रीय विद्यालयों के लिए नए यूनिफॉर्म पैटर्न का ऐलान किया था। शिक्षा मंत्रालय के अंतरगत आने वाले केंद्रीय विद्यालय संगठन ने स्टूडेंट्स के ड्रेस कोड में पहली बार बदलाव किया था। 1963 के बाद केंद्रीय विद्यालय के ड्रेस में कोई बदलाव नहीं किया गया था। इस बदलाव में हिजाब और पगड़ी के लिए नया पैटर्न लाया गया था। केवीएस बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने 18 मई 2012 को हुई बैठक में फैसला किया गया था कि मुस्लिम छात्राओं को लाल गोटे के साथ लोअर के रंग का हिजाब पहनना होगा। प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो की तरफ से जारी बयान में कहा गया था कि मंत्रालय ने नए यूनिफॉर्म में अलग पहचान बनाने और लोगों की सुविधा और कीमत को ध्यान में रखकर फैसला किया है। इसी फैसले में लड़कों और लड़कियों के ड्रेस में चेक लागू किया गया था। इसके अलावा कक्षा 9 से 11 तक के छात्राओं के लिए ट्राउजर शुरू किया गया था। नई यूनिफॉर्म का डिजाइन तैयार करने में नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नॉलजी और केंद्रीय कपड़ा मंत्रालय शामिल था। बता दें कि वर्तमान में देशभर के 1248 केंद्रीय विद्यालयों में 14.35 स्टूडेंट्स हैं जिसमें से 6.55 लाख छात्राएं और 7.79 लाख छात्र हैं। 2015 में केंद्रीय विद्यालय में 12.9 लाख स्टूडेंट्स थे जिसमें से 56719 मुस्लिम थे। इनमें से भी 23621 मुस्लिम लड़कियां थीं। नए ड्रेस कोड के बारे में सवाल का जवाब देते हुए 8 अगस्त 2012 को मानव संसाधन विकास मंत्री ने कहा था कि ड्रेस के बदलाव में सरकार की कोई भूमिका नहीं है। यह सब केंद्रीय विद्यालय संगठन ने किया है और वह एक स्वतंत्र संस्था है।

भारत-अमेरिका परमाणु संधि के खिलाफ थे प्रकाश करात, मनमोहन सरकार से समर्थन वापस लेकर डाला था मुश्किलों में

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव रहे प्रकाश करात भारत-अमेरिका परमाणु संधि के खिलाफ रहे हैं। उस वक्त मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए-1 की सरकार अमेरिका के साथ संधि करना चाहती थी और फिर करार हुआ भी। प्रकाश करात का जन्म बर्मा के एक मलयाली परिवार में हुआ था। प्रकाश करात के पिता ब्रिटिश काल के अंतर्गत भारतीय रेलवे में कार्यरत थे लेकिन पिता की मृत्यु के बाद उनका परिवार 1957 में बर्मा छोड़कर केरल आ गया था।

प्रकाश करात की शुरूआती शिक्षा-दीक्षा मद्रास के क्रिश्चियन कॉलेज में हुई। इसके बाद उन्हें साल 1964 में टोक्यो जाने का मौका मिला। दरअसल, स्कूल खत्म होने के बाद प्रकाश करात ने टोक्यो ओलंपिक पर एक अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता था।

भारत-अमेरिका परमाणु संधि

साल 2004 के कांग्रेस ने गठबंधन की सरकार बनाई और डॉ. मनमोहन सिंह की ताजपोशी हुई। उस वक्त भाकपा और लेफ्ट फ्रंट के समर्थन की सरकार थी। कुछ वक्त गुजर जाने के बाद साल 2006 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश दिल्ली आए थे और उस वक्त मनमोहन सरकार उनकी जमकर खातिरदारी कर रही थी क्योंकि अमेरिका के साथ परमाणु संधि करनी थी। लेकिन माकपा महासचिन प्रकाश करात इसके समर्थन में नहीं थे और उन्होंने मनमोहन सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इसके बाद भी तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अपनी योजना को नहीं बदला और उसी का परिणाम है कि माकपा के समर्थन के बिना भारत और अमेरिका के बीच परमाणु संधि हुई।

इसके बाद भी लेफ्ट फ्रंट लगातार इस संधि को समाप्त करने के लिए सरकार पर जोर देता रहा है और कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी भी प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से इस विषय पर बातचीत की थी। इसके बावजूद वो पीछे नहीं हटे। प्रकाश करात समेत कई लेफ्ट फ्रंट के नेताओं ने सरकार से समर्थन वापस लेने का फैसला किया और इसके बारे में उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह को अवगत भी कराया था। लेफ्ट फ्रंट के समर्थन वापस लेने के बाद भी मनमोहन सिंह की सरकार नहीं गिरी और सदन में सरकार ने विश्वास प्रस्ताव भी जीता था।

प्रारंभिक जीवन

प्रकाश करात के पिता की मृत्यु की बाद परिवार को आर्थिक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उनकी मां ने कुछ वक्त तक भारतीय निगम बीमा (एलआईसी) के एजेंट के तौर पर काम किया था। प्रकाश करात पढ़ाई के मामले में काफी प्रतिभाशाली थे और उन्होंने गोल्ड मेडल भी जीता था। कॉलेज के दिनों में प्रकाश करात की मुलाकात प्रख्यात मार्क्सवादी प्रोफेसर विक्टर किरनन से हुई थी। जिसके बाद वो मार्क्सवाद से प्रभावित हुए और फिर उन्होंने साल 1970 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए दाखिला लिया था।

सपा, बसपा ने चरमराई उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था, अमित शाह बोले- इसे फिर से पटरी पर लाये योगी

औरैया (उप्र)। (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को चरमराने का आरोप लगाया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राज्य में पांच साल में बदलाव लाने का श्रेय दिया। शाह ने कहा कि 2022 का चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ मजबूत करने और योगी को फिर से मुख्यमंत्री बनाने के लिए है। उन्होंने यहां एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, सपा और बसपा के बबुआ और बुआ दोनों ने उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य की अर्थव्यवस्था को तहस-नहस कर दिया था, देश में सातवें स्थान पर आर्थिक व्यवस्था थी जिसे योगी जी पांच साल में दूसरे स्थान पर लाये हैं,पांच साल के लिए एक और मौका दें और इसे पहले स्थान पर ले जाया जाएगा।' योगी आदित्यनाथ सरकार में कानून व्यवस्था के मोर्चे पर सफलता का दावा करते हुए उन्होंने पूछा, 'क्या कोई माफिया आपको कहीं भी परेशान कर सकता है? क्या कोई आपकी जमीन पर कब्जा कर सकता है? माताओं और बहनों के सम्मान के साथ क्या अब कोई खेल सकता है? योगी जी ने माफियाओं का उप्र से पलायन सुनिश्चित किया है।

अमित शाह ने सपा प्रमुख पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'अखिलेश यादव ने पूछा था कि क्या हुआ है (भाजपा सरकार के पांच साल के दौरान), जिसने पीला चश्मा लगाया है, उसे सब कुछ पीला दिखाई देगा।' उन्होंने कहा, 'योगी जी के कार्यकाल में डकैती के मामलों में 72 प्रतिशत, लूट में 62 प्रतिशत, हत्या में 31 प्रतिशत और बलात्कार के मामलों में 50 प्रतिशत तक की कमी आई है।' पूर्ववर्ती सरकार पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा, 'अखिलेश सरकार के दौरान उप्र में कट्टे बनते थे लेकिन अब भाजपा सरकार के दौरान गोले बन रहे हैं जो पाकिस्तान पर दागे जाएंगे। भाजपा सरकार यह बदलाव लेकर आई है।' उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने देश की सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा, ह्यह्यजब सपा-बसपा ने सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह सरकार का समर्थन किया था, पाकिस्तान से घुसपैठ हुई और हमारे सैनिकों का सिर काट दिया गया, लेकिन हमारे मौनी बाबा की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई, लेकिन मोदी ने सत्ता में आने के बाद इस तरह के दुस्साहस का बदला लिया और दुनिया को कड़ा संदेश दिया।'

उन्होंने दावा किया, 'उप्र में पहले दो चरणों के मतदान में सपा और बसपा का सफाया हो गया है और भाजपा तेजी से राज्य में 300 सीटों के करीब पहुंच रही है।' उन्होंने कहा, 'भाजपा भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।' शाह ने दावा किया कि भाजपा एकमात्र पार्टी है जो गरीबों के लिए काम करती है। उन्होंने कहा, 'जब मोदी जी कोविड टीका लाए, तो अखिलेश ने इसे मोदी टीका कहा और लोगों से इसे नहीं लेने के लिए कहा। अगर मोदी ने 130 करोड़ लोगों को टीका नहीं दिया होता तो क्या हम तीसरी लहर के दौरान भी उतने ही सुरक्षित होते?।' भाजपा की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, 'बुआ-भतीजा (सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव-बसपा अध्यक्ष मायावती) ने 15 साल तक अपनी सरकारें चलाईं लेकिन क्या किसी घर को गैस सिलेंडर मिला, जबकि हमारी सरकार में 1.66 लाख माताओं को सिलेंडर और चूल्हा मिला है और हमने होली और दिपावली पर एक मुफ्त सिलेंडर देने का फैसला किया है।

बप्पी लहरी का निधन

डिस्को किंग ने 69 साल की उम्र में ली अंतिम सांस; बेटे बप्पा के अमेरिका से लौटने के बाद कल होगा अंतिम संस्कार

बॉलीवुड के म्यूजिक डायरेक्टर बप्पी लहरी का मंगलवार रात 11 बजे 69 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने मुंबई के जुहू स्थित क्रिटी केयर हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि उन्हें तबीयत खराब होने के बाद मंगलवार को ही भर्ती किया गया था।

बप्पी दा पिछले साल कोविड पॉजिटिव हो गए थे। इसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था। म्यूजिक इंडस्ट्री में बप्पी लहरी को डिस्को किंग कहा जाता था। उनका असली नाम अलोकेश लाहिड़ी था। बप्पी लहरी म्यूजिक के साथ-साथ सोना पहनने के अंदाज को लेकर भी जाने जाते थे।

बप्पी दा को थी ऐसी बीमारी जो सांस लेना मुश्किल कर देती है

बप्पी लहरी के निधन के बाद जुहू के क्रिटी केयर अस्पताल के डॉक्टर ने अपने ऑफिशियल बयान जारी किया है। बप्पी दा ह्रस्र ऑब्सट्रक्टिव स्लीप ऐप्नी और बार-बार सीने में संक्रमण से पीड़ित थे। इस बीमारी में रात को सोते समय नाक से सांस लेने में काफी दिक्कत होती है क्योंकि इसमें मुंह और नाक के ऊपरी हिस्से में हवा भर जाती है। इससे सांस लेने के लिए हवा फेफड़ों तक पहुंचने का रास्ता काफी संकरा हो जाता है। कई बात इस बीमारी में सांस लेना मुश्किल ही नहीं, असंभव सा हो जाता है। ये बीमारी नाक को लगभग बंद कर देती है। मुंह से सांस लेने में भी दिक्कत होने लगती है।

उनका इलाज डॉ. दीपक नामजोशी ने किया। इसके साथ वे 29 दिनों तक जुहू के क्रिटी केयर अस्पताल में भर्ती रहे। इसके बाद उन्हें 15 फरवरी को डिस्चार्ज कर दिया गया था। हालांकि, घर पर उनकी तबीयत फिर से बिगड़ गई और उन्हें गंभीर हालत में जुहू के क्रिटी केयर अस्पताल में वापस लाया गया और लगभग 11.45 बजे उनकी मृत्यु हो गई।

प्रधानमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

पीएम मोदी बप्पी दा को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा- बप्पी लहरी जी का संगीत सभी दौर के लिए था, वो हर भावना को खूबसूरती से व्यक्त करता था। हर जनरेशन के लोग उनके काम से जुड़ाव महसूस करते थे। उनका खुशनुमा स्वभाव सभी को याद रहेगा। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना।

अंतिम संस्कार आज होगा

बप्पी लहरी के परिवार वालों ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार कल किया जाएगा। उनके बेटे बप्पा अभी अमेरिका में हैं और वह कल दोपहर तक मुंबई पहुंचेंगे। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

गंगूबाई काठियावाड़ी का दूसरा गाना 'जब सैंया' रिलीज

इस गाने में आलिया भट्ट और शांतनु माहेश्वरी के बीच जबरदस्त, शानदार और रहस्यमयी केमिस्ट्री देखी जा सकती है। गंगूबाई काठियावाड़ी का यह नया गाना अपनी रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर छा गया है। फैंस गाने को काफी पसंद कर रहे हैं।

आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी का दूसरा गाना जब सैंया मंगलवार को रिलीज हो गया है। इस गाने में आलिया भट्ट के साथ अभिनेता शांतनु माहेश्वरी भी नजर आ रहे हैं। गाने को श्रेया घोषाल ने अपनी सुरीली आवाज में गाया है, जबकि इसका संगीत संजय लीला भंसाली ने खुद तैयार किया है। गाने के बोल ए. एम तुराज ने लिखे हैं। गाने को आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा करते हुए लिखा- शांतनु माहेश्वरी का परिचय देते हुए, प्यार के पत्ते खोल रहे हैं। आपके लिए गंगू के दिल का एक हिस्सा पेश कर रही हूँ।

फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में आलिया माफिया क्वीन बनी हैं।आलिया के अलावा फिल्म में अजय देवगन और विजय राज भी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म हुसैन जैदी की किताब के एक चैप्टर माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है। संजय लीला भंसाली और जयंतीलाल गोयल द्वारा निर्मित यह फिल्म इसी साल 25 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

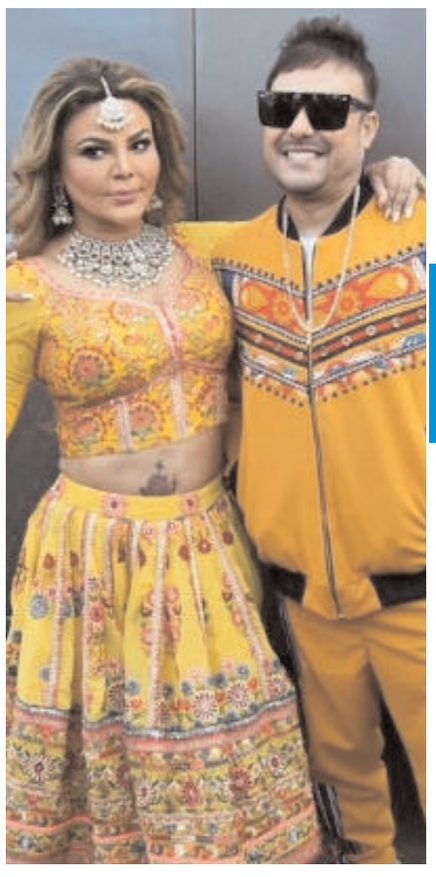

रितेश से बहुत दुखी है राखी सावंत

बोलीं- उसने मुझे यूज किया, उसे भगवान के हाथ में देती हूं, वो करेंगे न्याय

राखी सावंत ने हाल ही सोशल मीडिया पर बताया था कि वह पति रितेश से अलग हो गई हैं। वैलेंटाइन डे से ठीक एक दिन पहले राखी सावंत ने यह बात सबको बताई। लेकिन बाद में जब वह कैमरे के सामने आईं तो राखी सावंत फूट-फूटकर रो पड़ीं। ऐसा लग रहा है जैसे रितेश ने मेरा यूज किया। राखी ने आगे कहा, रितेश ने मुझे यूज किया। मैंने उन्हें कोई यूज नहीं किया। अगर किया होता तो उसने मुझे अभी मुंबई में फ्लैट लेकर दिया होता। वो मेरे नाम पर होता। साथ कुछ लीगल इशूज हो गए हैं। उनके बच्चे हैं। उनकी वाइफ कोर्ट में चली गई। रितेश ने मुझे पर इल्जाम लगाए कि तुमने बिग बॉस में ले जाकर मेरी लाइफ खराब कर दी।

राखी सावंत ने रितेश पर कई आरोप लगाए और बताया कि उन दोनों के बीच कहां क्या गलत हुआ।

राखी सावंत को 15 फरवरी को जिम जाते हुए स्पॉट किया गया। यहां मीडिया से बातचीत के दौरान राखी सावंत बिलख पड़ीं। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहती कि किसी के पैरेंट्स पुलिस स्टेशन या कोर्ट-कचहरी जाएं। रितेश मैं तुम पर कोई इल्जाम नहीं लगाऊंगी। मैं किसी के पास नहीं जाऊंगी क्योंकि मेरे पास भगवान है। मैं तुम्हें भगवान के हाथ में देती हूं।

राखी ने रोते हुए कहा कि मुझे उसने मुझे कोई सिक्योरिटी नहीं दी है। शादी में एक इयरिंग और नेकलेस देने से वो कोई प्रॉपर्टी नहीं हो जाती। उसने मुझे कुछ नहीं दिया। आज भी मैं अपने ही घर में रहती हूं। आज भी मैं मेरे घर से लेकर ड्राइवर और मेड तक का खर्च मैं संभालती हूं।

राखी ने आगे कहा, जब मैं बिग बॉस में रितेश को लेकर गई थी तो कितना खुश थी। मुझे पहले पता होता कि बिग बॉस के बाद रितेश मुझे छोड़ने वाले हैं तो मैं कभी उन्हें लेकर नहीं जाती। और अपने ऊपर दाग लेकर नहीं आती। रितेश मुझे छोड़कर चले गए हैं क्योंकि उनके वाइफ के मेरा करोड़ों का नुकसान हुआ। मेरे कैरेक्टर पर लांछन लगा। तुमने मेरा यूज किया।

राखी ने आगे कहा कि वह रितेश के खिलाफ कोई केस या शिकायत नहीं करना चाहेंगी। वह उन्हें और मुश्किल में नहीं डालेंगी। राखी ने कहा कि वह रितेश और उनकी फैमिली से प्यार करती हैं।

रितेश उस वक्त चर्चा में आए थे जब 2020 में राखी ने कहा था कि उन्होंने रितेश से शादी कर ली है। हालांकि तब तक रितेश का चेहरा किसी के सामने नहीं आया था।

पूजा हेगड़े ने अरेबिक कुथु चैलेंज पर दिखाए हॉट डांस मूव्स, वायरल

तमिल सुपरस्टार विजय और पूजा हेगड़े की आने वाली फिल्म बीस्ट का गाना अरेबिक कुथु सोशल मीडिया चैलेंज बन चुका है। कई सिलेब्रिटीज और फैन्स ने इस गाने पर अपने डांस वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। अब पूजा हेगड़े का भी इस गाने पर वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में पूजा एक यॉट पर डांस करती नजर आ रही हैं। पूजा ने यह वीडियो अपनी हालिया मालदीव ट्रिप पर रिकॉर्ड किया है। ब्लू कलर की ड्रेस में डांस करती पूजा के इस वीडियो को फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं। बता दें कि इस गाने अरेबिक कुथु को अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है। गाने को अनिरुद्ध और जोनिता गांधी ने आवाज दी है। यह गाना अरबी म्यूजिक और तमिल कुथु का फ्यूजन है। बता दें कि यह पहला मौका होगा जबकि पूजा हेगड़े तमिल सुपरस्टार विजय के साथ बीस्ट में नजर आएंगी।

बॉबी देओल की फिल्म लव हॉस्टल का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल की आने वाली फिल्म लव हॉस्टल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। बॉबी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म लव हॉस्टल को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में बॉबी देओल के साथ विक्रांत मैसी और सान्या मल्होत्रा की भी अहम भूमिका है।इस फिल्म में बॉबी नेगेटिव किरदार में दिखायी देंगे।फिल्म का निर्देशन शंकर रमन ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण शाहरुख खान की कम्पनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने किया है। लव हॉस्टल की कहानी उत्तर भारत में दिखायी गयी है। फिल्म लव हॉस्टल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। शाहरुख खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टा अकाउंट से फिल्म लव हॉस्टल का ट्रेलर शेयर किया है। ट्रेलर शेयर करते हुए शाहरुख खान ने लिखा है, ऐसी जगह जहां प्यार में पड़ना, आपके जीवन को खो देता है, एक विद्रोही युगल सीमा तोड़ने की हिम्मत करता है. क्या उनका प्यार बच पाएगा?

लव हॉस्टल 25 फरवरी को जी5 पर रिलीज होगी।

बैसाखी पर नहीं अब इस दिन रिलीज होगी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा'

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की आगामी फिल्म लाल सिंह चड्ढा की रिलीज डेट को लेकर अब एक नई अपडेट सामने आई है। फिल्म मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट में एक बार फिर से बदलाव किया है।

अब यह फिल्म 14 अप्रैल को नहीं, बल्कि 11 अगस्त को रिलीज होगी। मेकर्स ने इसे लेकर बयान जारी किया है कि फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग अभी बाकी रह गई है और इसे निश्चित समय में पूरा नहीं किया जा सकता, इसलिए अब फिल्म की रिलीज डेट को बढ़ा कर 11 अगस्त कर दिया गया है।

फिल्म लाल सिंह चड्ढा में आमिर खान के साथ अभिनेत्री करीना कपूर खान और साउथ सुपरस्टार नागा चैतन्य लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में अभिनेत्री मोना सिंह भी अहम भूमिका में होंगी।

लाल सिंह चड्ढा हॉलीवुड की साल 1994 में रिलीज हुई हिट फिल्म फॉरेस्ट गम्प पर आधारित है। फिल्म की कहानी फॉरेस्ट गम्प नामक किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दिमागी तौर पर भले ही पूरी तरह विकसित नहीं है, लेकिन उसके जीवन में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जहां वह खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित कर आगे बढ़ता चला जाता है। फिल्म का निर्माण आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस ने किया है, जबकि निर्देशक अद्वैत चंदन हैं।

दर्शकों को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इन्तजार है। अब यह फिल्म 11 अगस्त , 2022 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रोडीज-18: नेहा धूपिया नहीं होंगी अगले सीजन के रोडीज का हिस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि वो MTV रोडीज के 18वें सीजन का हिस्सा नहीं होंगी। कुछ समय पहले ही रणविजय सिंह ने कथित तौर पर खुलासा किया था कि वो भी इस शो के अगले सीजन का हिस्सा नहीं होंगे। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि शो छोड़ने का रीजन नेटवर्क को सबसे अच्छी तरह से पता है।

नेहा नहीं बनेंगी रोडीज का हिस्सा

नेहा ने कहा, इस साल मैं रोडीज का हिस्सा नहीं बनूंगी। फैन्स के लिए मुझसे ज्यादा, रणविजय को इसका हिस्सा नहीं देखना दिल दहला देने वाला है और जाहिर तौर पर इसका रीजन उन्हें और नेटवर्क दोनों को सबसे अच्छी तरह से पता है। मुझे यह शो बहुत पसंद है और मैंने हमेशा इस शो को पसंद किया है। इस शो से प्यार करने का एक बड़ा हिस्सा रण हैं। वो हमेशा से मेरे बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं और हमेशा रहेंगे। मेरा एक और अच्छा दोस्त है, जिसने इसमें कदम रखा है और मैं उसे शुभकामनाएं देती हूं। वो सोनू सूद हैं और वो भी मेरे काफी अच्छे दोस्त हैं। रोडीज पहली बार 2003 में प्रसारित हुआ था, जिसमें रघु राम और राजीव लक्ष्मण कई सालों तक इस शो में जज रहे।

शाहिद कपूर और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'जर्सी' की रिलीज डेट तय

लंबे समय से चर्चा में बनी हुई शाहिद कपूर और मृणाल ठाकुर की फिल्म जर्सी%पिछले साल ही 31 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी।

लेकिन मेकर्स ने देश में कोरोना की तीसरी लहर और नए वेरिएंट ओमिक्रोन के बढ़ते

मामलों को देखते हुए फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी थी। वहीं अब जब देश में कोरोना के मामले कम होने लगे हैं और थियेटर्स खुल गए हैं तो मेकर्स ने मंगलवार को फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म बैसाखी के मौके पर 14 अप्रैल, 2022 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

शाहिद कपूर और मृणाल ठाकुर की यह फिल्म इसी टाइटल के नाम की तेलुगु फिल्म जर्सी का रीमेक है। फिल्म की कहानी एक क्रिकेटर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म की कहानी क्रिकेट में होने वाली राजनीति और क्रिकेटर के संघर्ष को दिखाती है। शाहिद कपूर दोबारा फिल्म में क्रिकेटर के किरदार में दिखेंगे। इससे पहले साल 2009 में आई फिल्म दिल बोले हड़िप्पा में शाहिद ने क्रिकेटर का किरदार निभाया था। जर्सी में मृणाल ठाकुर शाहिद कपूर की पत्नी और पंकज कपूर शाहिद के मेंटर के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक गौतम तिन्ननुरी हैं।

डिस्को किंग बप्पी दा के निधन से बॉलीवुड में शोक की लहर, सितारों ने दी श्रद्धांजलि

सुर कोकिला लता मंगेशकर और अदाकार प्रवीण कुमार सोबती के निधन से अभी बॉलीवुड उबरा भी नहीं था कि बुधवार की सुबह एक और बुरी खबर लेकर आई। डिस्को किंग के नाम से जाने जाने वाले गायक और संगीतकार बप्पी लहरी के अचानक चले जाने की खबर ने बॉलीवुड को अंदर तक हिला दिया।

उनके निधन पर अदाकार अक्षय कुमार, अजय देवगन, विशाल डडलानी, भूमि पेडनेकर समेत कई बॉलीवुड हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है। अक्षय कुमार ने बप्पी लहरी के निधन पर शोक जाते हुए लिखा, ÷आज हमने संगीत इंडस्ट्री से एक और रत्न खो दिया.. बप्पी दा, आपकी आवाज मेरे समेत लाखों लोगों को नाचने का कारण देती थी। आपने अपने संगीत के जरिए से जो खुशियां बांटी, उसके लिए धन्यवाद। परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना, ओम शांति।

अजय देवगन ने लिखा, बप्पी दा व्यक्तिगत रूप से बहुत प्यारे थे। उनके संगीत में एक धार थी। उन्होंने चलते चलते, सुरक्षा और डिस्को डांसर के साथ हिंदी फिल्म संगीत के लिए एक और समकालीन शैली पेश की, दादा आपकी कमी खलेगी।

भूमि पेडनेकर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिग्गज संगीतकार की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, ÷शब्द नहीं मिल रहे हैं... दिग्गज बप्पी लहरी जी के निधन से स्तब्ध हूँ.. बहुत बड़ा नुकसान। उनके परिवार और फैंस के प्रति मेरी संवेदनाएं। आपका संगीत हमेशा अमर रहेगा सर।÷

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने लिखा- महान संगीतकार और पॉप संस्कृति गायक ÷बप्पीलाहिरी जी को भावभीनी श्रद्धांजलि। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें। परिवार को मेरी तरफ़ से संवेदना।

अदनान सामी ने भी बप्पी लहरी को श्रद्धांजलि देते हुए उनके गानों की लाइन शेयर करते हुए अपने ट्वीट में लिखा, ÷वह भारत के पहले रॉक स्टार थे। वह प्यार और उदारता से भरे रहते थे। बप्पी दा की आत्मा को शांति मिले।

फिल्ममेकर हंसल मेहता ने बप्पी दा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ट्विटर पर लिखा, एक और दिग्गज ने अलविदा कह दिया। बप्पी दा के साथ काम करने का सौभाग्य मिला जब मैंने प्रॉक्टर एंड गैंबलर के लिए एक विज्ञापन शूट किया और फिर जब मैंने संजय गुप्ता के लिए व्हाइट फेदर फिल्म्स के साथ काम किया। अविश्वसनीय मधुर स्वभाव और प्रतिभा भरे व्यक्ति।

अभिनेत्री विद्या बालन ने लिखा- बप्पी दा आप जहां भी जाएं, मैं आपके खुशी की कामना करती हूँ क्योंकि आपने अपने संगीत और अपने व्यक्तित्व से दुनिया को खुशियां ही दी हैं। आपको हमेशा प्यार...। साथ ही उन्होंने हाथ जोड़ने वाली इमोजी भी बनाई है।

सिंगर- कंपोजर विशाल डडलानी ने लिखा-बप्पीदा के निधन के बारे में सुना। मैं स्तब्ध हूँ। वह हमेशा के लिए एक लीजेंड बने रहेंगे, लेकिन इससे भी ज्यादा वह एक दोस्त थे। हमने एक-दूसरे के लिए प्यार और सम्मान साझा किया, और मैं आभारी हूँ कि विशाल-शेखर पहले संगीतकार थे जिनके लिए उन्होंने अपने गीतों के अलग आवाज दी थी। उल्लेखनीय है कि बप्पी लहरी बीते एक महीने से अस्पताल में भर्ती थे। बीते सोमवार को ही उन्हें डॉक्टरों ने अस्पताल से छुट्टी दी थी।

शोभा यात्रा निकाल,धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई संत रविदास जयंती

आनंद राय

स्योहारा। नगर व क्षेत्र में रविदास जयंती दलित समुदाय में हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गयी।गांवो में भी शोभायात्राएं निकालकर संत रविदास के जीवन पर प्रकाश डाला गया। नगर में भी संत रविदास जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गयी।दलित समुदाय के परिवारों में नए-नए वस्त्र पहनकर घरों में संत रविदास की पूजा अर्चना कर पकवानों का भोग लगाया गया। मुख्य आयोजन मुरादाबाद मार्ग स्थित चामुंडा मंदिर स्थल पर किया गया। प्रातः हवन पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।रविदास धर्मशाला में किये गए विशाल हवन में रविदास कमेटी अध्यक्ष विजय कुमार, वीर सिंह, मनीष, गौतम सिंह,विकास कुमार मोनू, महिपाल सिंह,नरेश कुमार, पोटिंग,जेके,चमन आदि वअतिथियों ने हवन यज्ञ मे आहुति देकर देश में समृद्धि और शांति की कामना की। इसके बाद संत श्री रविदास कमेटी के नेतृत्व में विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया।शोभायात्रा मे आकर्षण झांकियों के साथ ही परंपरागत अखाड़े में लोगों ने अनेक प्रकार के करतब दिखाए। झांकियों में श्री कृष्ण राधा नृत्य, श्री कृष्ण सुदामा नृत्य,और सबसे आगे चल रही है रही संत रविदास की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा चमुंडा रविदास धर्मशाला से आर,एस पी रोड़ से होकर रियासत, ठाकुर मंदिर ,पीर का बाजार , शिवाजी मार्किट, जुमरात का बाजार,पटवारियाँन थाना चौराहा से होकर देर रात्रि रविदास धर्मशाला पर जाकर समाप्त होगी।

इस मौके पर हर धर्म एव समाज के लोगो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा

रैपुरा गंगा घाट पर परिजनों के साथ गंगा स्नान करने गया किशोर डुब, मचा हड़कंप

प्रफुल्ल कुमार राय

मेजा, प्रयागराज । मेजा थाना जेवनिया चौकी अंतर्गत रैपुरा गंगा घाट पर परिजनों के साथ गंगा स्नान करने गया किशोर डुब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस घंटों मशक्कत करते हुए किशोर के शव को बाहर निकलवाते हुए पोस्टमार्टम को भिजवा दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जेवनिया गांव का पियूष प्रजापति (12) पुत्र सोनू प्रजापति अपने परिजनों के साथ बुधवार सुबह रैपुरा गंगा घाट पर स्नान करने गया था जहां स्नान करने के दौरान वह गहरे पानी में डूबने लगा शोरगुल सुन लोग घटनास्थल की तरफ दौड़ पड़े लेकिन पानी ज्यादा व बहाव होने के कारण वह गंगा नदी में समा गया। सूचना पर चौकी प्रभारी जेवनिया आशीष कुमार चौबे दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश करवाया तो थोड़ी देर बाद ही गंगा में डूबे किशोर का शव बाहर निकलवाया गया। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम को भिजवा दिया। किशोर के आकस्मिक मौत से परिजनों में का रो रो कर बुरा हाल है।

प्रेक्षकगणों एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान एवं मतगणना की तैयारियों का लिया जायजा

राधा गुप्ता

प्रयागराज। जिलाधिकारी ने मण्डी में मतदान एवं मतगणना की ड्यूटी में लगायें गये कर्मचारियों का पास जारी करने के दिए निर्देश

प्रेक्षकगणों एवं जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने बुधवार को नवीन मण्डी स्थित वेअर हाउस एवं आस-पास के क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा का जायजा लिया तथा मतदान की तैयारियों का एवं मतगणना स्थल का भ्रमण कर जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने मतणगना के लिए की गयी तैयारियों को मानचित्र के द्वारा बताया तथा जिला निर्वाचन अधिकारी ने मण्डी सचिव को निर्देश दिया है कि जो भी कमियां है, दो दिन में दुरूस्त करा ली जाये। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही क्षम्य नहीं होगा तथा जिला निर्वाचन अधिकारी ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ए0डी0एम0 प्रशासन को निर्देशित किया है।

स्योहारा यूथ टीम ने मतदान के दौरान अहम भूमिका निभाई

रवि शंकर तिवारी

स्योहारा/पिछले एक माह से मतदाताओं को डोर टू डोर जागरूक करने वाली स्योहारा यूथ वेलफेयर सोसाइटी की टीम के सदस्यो ने 14 फरवरी को संपन्न हुए दूसरे चरण के चुनाव में मतदान कराने में अहम भूमिका निभाई सभी सदस्यो ने सर्वप्रथम अपने और अपने परिजनों के वोट डलवाये फिर घर-घर जाकर लोगों को बूथ तक भेजा तथा बुजुर्ग विकलांग कमजोर व बीमार मतदाताओं को अपनी बाइक रिक्शा के सहारे से सभी के मतों का प्रयोग कराया ! इस मौके पर संस्था की ओर से चुनाव मे ड्यूटी कर रहे सुरक्षाकर्मियों, मतदानकर्मियों व बीएलओ के लिए जलपान की व्यवस्था भी कराई गई! संस्था के युवाओ की मेहनत ओर वोटरो के सहयोग से स्योहारा क्षेत्र मे लगभग 70त वोंटिग हुई

मतदाताओ की सहायता करने में मौ0 कमरूद्दीन, फिरोज, बासित अली,कायम,अयान शब्बू जैदी, संजय शर्मा, शब्बू ठेकेदार मन्सूर अली, आरिफ, नूर जैदी, अरशद आदि सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा! इस अवसर पर संस्था के संरक्षक असजद चौधरी व पूर्व प्रबंधक उबैदुरहमान के द्वारा सभी सदस्यों के लिए दोपहर के खाने का प्रबंध अपने सौजन्य से कराया गया ! कस्बे व आसपास के क्षेत्र मे शांतिपुर्ण मतदान संपन्न होने पर संस्था के संरक्षक अमीन अहमद व अध्यक्ष तनवीर चौधरी ने प्रशासन, मतदानकर्मियों व सोसाइटी टीम के सदस्यो का मतदान के दौरान निभाई अहम भूमिका निभाने पर आभार जताया!

माघी पूर्णिमा का स्नान आज, अयोध्या की सरयू नदी में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

संवाददाता

लखनऊं। माघी पूर्णिमा के अवसर पर आज रामनगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सरयू नदी में डुबकी लगाने को उमड़ रही है। दूर-दूर से आए श्रद्धालु सुबह से ही आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। सरयू स्नान के बाद वह दान पुण्य भी कर रहे हैं। इसे लेकर राम की नगरी में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अयोध्या में एक दो दिन पहले ले ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। इसे देखते हुए पुलिस ने यातायात डायवर्जन भी कर दिया है। भारी वाहनों के शहर में प्रवेश पर पाबंदी लगा दी गई है। कई जगहों पर दो पहिया और चारपहिया वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है। श्रद्धालु सरयू में स्नान के बाद राम लला के मंदिर और हनुमानगढ़ी में भी माथा टेक रहे है। सुबह से ही अयोध्या के मंदिरों में दर्शन और पूजन का सिलसिला चल रहा है। मंदिर में आने वाले भक्तों को लाइन से दर्शन कराने के इंतजाम किए गए हैं। मंदिरों में भी भारी संख्या में सुरक्षा कर्मी तैनात हैं। ताकि भक्तजन आराम से दर्शन पूजन कर सकें। मंदिरों के बाहर पूजन, हवन सामग्री और प्रसाद का वितरण भी चल रहा है। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा सब सरयू में स्नान करने का बाद दर्शन पूजन को प्रभु श्रीराम मंदिर पहुंच रहे हैं।

यमुना के संगम में लाखों श्रद्धालुओं ने किया स्नान

विवेक राय

प्रयागराज। न कोई भेदभाव, न किसी प्रकार का राग-द्वेष। धनी हो या निर्धन सबका भाव सिर्फ माघी पूर्णिमा पर प्रयागराज में गंगा, यमुना के संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित करने का है। इसी संकल्पना को साकार करने के लिए नर-नारी व बच्चे त्रिवेणी के तट पर खिंचे चले आ रहे हैं। श्रद्धालुओं से पूरा क्षेत्र पट गया है। पवित्र जल में गोता लकर हर कोई अक्षय पुण्य की प्राप्ति की अनुभूति कर रहा है। माघ मेले के इस पांचवें स्?नान पर्व पर रात से सुबह सात बजे तक एक लाख लोगों ने स्नान कर लिया था। वहीं सुबह 11 बजे तक लगभग 4.50 लाख लोगों ने स्नान किया।

माघी पूर्णिमा तिथि मंगलवार की रात 9.22 बजे लग चुकी है। इससे संगम में स्नान का सिलसिला मध्यरात्रि में आरंभ हो गया था। सूर्योदय के बाद स्नानार्थियों की भीड़ बढ़ती जा रही है। संगम के अलावा गंगा के अक्षयवट, राम घाट, गंगोली शिवालय, दारागंज व अरैल घाट पर भी स्नान-दान का सिलसिला चल रहा है। माघी पूर्णिमा स्नान के साथ संगम क्षेत्र में माहभर से चल रहे कल्पवास खत्म हो गया है। पौष पूर्णिमा से घर-गृहस्थी से दूर रहकर भजन-पूजन करने वाले कल्पवासी लौटने लगे हैं। संगम व गंगा में डुबकी लगाकर कल्पवासी अपने शिविर पर आकर तीर्थपुरोहितों के मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर रहे हैं। आराध्य व पूर्वजों को नमन करके अगले वर्ष पुनः आने का संकल्प लेकर कल्पवासी घरों को लौटने लगे हैं। प्रसाद स्वरूप संगम का रज, तुलसी व जौ का पौधा साथ ले जा रहे हैं। कल्पवासियों के साथ संत भी लौटने लगे हैं। संतों ने सुबह स्नान करके खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ अपने मठ-मंदिरों में लौटने लगे हैं। माघी पूर्णिमा पर जप, तप, व्रत, दान का विशेष महत्व है। इसी कारण सनातन धर्मावलंबी यथासंभव दान भी कर रहे हैं। स्नान के बाद तीर्थपुरोहितों को अन्न, वस्त्र, गुड़, घी, फल आदि दान दिया जा रहा है। पूर्णिमा तिथि का प्रभाव दिनभर है। इसके चलते स्नान-दान का सिलसिला दिनभर चलता रहेगा। मेले में अन्य स्नान पर्वों की अपेक्षा कम भीड़ है। हालांकि माघ मेले में दाखिल होने वाले हर्षवर्धन चौराहा और फोर्ट रोड चौराहे पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी है। मेले में कम भीड़ होने के बावजूद बिना पास वाले वाहनों को रोका जा रहा है।

लखनऊ के डा. राम मनोहर लोहिया संस्थान की ओपीडी में अब बिना कोरोना जांच दिखा सकेंगे मरीज

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी समेत पूरे यूपी में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के मामले लगातार घट रहे हैं। ऐसे में गोमतीनगर स्थित डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान ने मरीजों की सहूलियत के लिए नए एलान किया है। इसके तहत अब लोहिया संस्थान की ओपीडी में चिकित्सकीय परामर्श के लिए मरीजों को कोरोना जांच की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। ओपीडी में सीधे पंजीकरण कराकर डाक्टरी परामर्श मिल सकेगा। हालांकि भर्ती होने वाले मरीजों को कोरोना की नेगेटिव आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट दिखानी होगी। कोरोना का प्रकोप अब घट रहा है। लोहिया संस्थान की ओपीडी में रोजाना लगभग डेढ़ से दो हजार मरीज आ रहे हैं। लोहिया संस्थान प्रशासन ने मरीजों की सहूलियत के लिए ओपीडी मरीजों के लिए कोरोना की आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट की अनिवार्यता को खत्म कर दिया है। इससे सैकड़ों मरीजों को राहत मिलेगी। अभी दूर दराज से आने वाले मरीजों को कोरोना जांच के चक्कर में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। एक दिन तो उन्हें कोरोना जांच कराने में लग जाता है। फिर रिपोर्ट आने पर वह अगले दिन ही ओपीडी में दिखा पा रहे थे। मगर अब संस्थान के सीएमएस डा. राजन भटनागर की ओर से आदेश जारी किया गया है कि ओपीडी में कोरोना रिपोर्ट जरूरी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि ओपीडी और इमरजेंसी में फर्स्ट एड के मरीजों को अब कोरोना जांच नहीं करवानी होगी, लेकिन सर्जरी और किसी भी अन्य कारण से भर्ती से पहले मरीजों की कोरोना की नेगेटिव आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट जरूरी होगी।

भागूवाला क्षेत्र के ग्राम श्यामीवाला में संत शिरोमणि रविदास जयंती का 645 वा जन्म दिवस धर्मशाला प्रांगण में मनाया

धर्मशाला। भागूवाला क्षेत्र के ग्राम श्यामीवाला में संत शिरोमणि रविदास जयंती का 645 वा जन्म दिवस धर्मशाला प्रांगण में मनाया गया ग्रामसभा श्यामी वाला वाले की कमेटी के अध्यक्ष संजीव कुमार सचिव प्रवीण सिंह कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह अखाड़ा उत्पाद कोमल सिंह बताया कि पूजा अर्चना के बाद दोपहर 2ः00 बजे लगभग जुलूस अखाड़े का प्रोग्राम निश्चित है उन्होंने यह भी बताया की पुरानी परंपरा को बरकरार रखते हुए यह पूजा पाठ वे जन्म उत्सव मनाया जाता है।

सुरक्षा व्यवस्था मैं अवधेशानंद चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र ने बताया की डेढ़ सेक्शन पीएसी है 22 जवान लाइन से आए हैं बाकी थाना फोर्स मौके पर मौजूद है वही तहसील से एसडीएम नजीबाबाद मनोज कुमार सीओ गजेंद्र पाल सिंह नायब तहसीलदार सार्थक चावला राजस्व निरीक्षक नरेंद्र सिंह लेखपाल अजब सिंह तेजेंद्र सिंह फूल सिंह अभिषेक द्वेदी इत्यादि मौके पर उपस्थित थे।

संत रविदास कमेटी श्यामीवाला ने 2020 के दिन को याद करते हुए भागूवाला चौकी पर तैनात इंचार्ज बलराम सिंह को याद किया कमेटी अध्यक्ष संजीव कुमार प्रवीण सिंह कमल सिंह देवेंद्र सिंह रविंद्र कुमार जॉनी इत्यादि ने कहा कि लगभग 7 वर्ष संघर्ष करने के बाद कोर्ट के आदेश के उपरांत चौकी इंचार्ज बलराम सिंह ने अपनी बुद्धि व विवेक तथा प्रशासन के आदेश का पालन करते हुए शांतिपर्वक संत रविदास जयंती को 2020 में सकुशल पूर्व परंपरा को सुचारू कराया।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का स्थापना दिवस, यूपी में सात दशक में आठ गुना बढ़ा गन्ने का उत्पादन

संवाददाता

लखनऊ । भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान ने सात दशक के अपने कार्यकाल में आठ गुना गन्ने का उत्पादन करके चीन में प्रदेश व देश को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया। रायबरेली रोड स्थित संस्थान परिसर में बुधवार को हुए स्थापना दिवस पर संस्थान के निदेशक डा.एडी पाठक और प्रधान वैज्ञानिक डा.अजय कुमार साह ने प्रगति पर विस्तार से जानकारी दी और वैज्ञानिकों की सराहना की। गन्ने के उत्पादन को बढ़ाने और नई प्रजातियों के निर्माण के लिए 16 फरवरी 1952 में लखनऊ में भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की स्थापना की गई। निदेशक डा.एडी पाठक ने बताया कि प्रदेश में सात दशक में गन्ने की औसत उपज में ढाई गुना और चीन उत्पादन में तीन गुना वृद्धि हुई जबकि गन्ना उत्पादन में आठ गुना वृद्धि हुई है। एक अप्रैल 1969 में यह संस्थान नई दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन कर दिया गया, लेकिन शोध कार्य निरंतर चलते रहे। देश में वर्ष 1950-51 में 17.07 लाख हेक्टेयर में गन्ने की खेती होती थी और औसत उत्पादन 32.1 टन प्रति हेक्टेयर होता था और कुल उत्पादन 519 लाख टन था। वर्तमान में साल में औसत उत्पादन 78.25 टन प्रति हेक्टेयर और उत्पादन 4001.57 लाख टन पहुंच गया है। इस दौरान चीनी का उत्पादन 11 लाख टन से बढ़कर 331.6 लाख टन प्रति वर्ष हो गया है। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. अजय कुमार साह ने बताया कि नई प्रजातियों से चीनी की मात्रा में बढ़ोतरी के साथी ही गन्ने के उत्पादन में भी 10 से 20 फीसद तक इजाफा हो रहा है। गन्ने के विकास को लेकर संस्थान की ओर से समय-समय पर शोध किए जाते हैं। कई वर्षों की मेहनत के बाद नई प्रजातियां विकसित की जाती हैं। गन्ने की बुआई में उर्वरक की मात्रा कम करने, हल्की सिंचाई और अधिक चीनी उत्पादन वाली गन्ने की किस्म विकसित करने का प्रयास लगातार जारी है। लखनऊ भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान निदेशक डा. एडी पाठक ने बताया कि इस 10 फीसद और 2030 तक 20 फीसद एथेनाल पेट्रोल में मिलाने की मांग होगी जिसके लिए हमारे वैज्ञानिक तैयार हैं। नई किस्मों से चीनी की मात्रा बढ़ेगी और एथेनाल की बढ़ती मांग को भी हम पूरा कर सकेंगे। वैज्ञानिकों की सोच का ही नतीजा है कि हम नई प्रजातियों को विकसित कर सके हैं।

राहुल और प्रियंका गांधी सीर गोवर्द्धन में संत रविदास को नमन करने पहुंचे

संवाददाता

वाराणसी। संत रविदास की जयंती पर उनकी जन्म स्थली में शीश नवाने कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी सुबह 11.30 बजे रविदास मंदिर पहुंचीं। वहीं उनके साथ ही कुछ समय बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी संत रविदास को नमन करने पहुंचे। वहीं नेताद्वय संत रविदास मंदिर के समीप बनाए गए सत्संग स्थल भी जाएंगे और वहां रविदासियों को संबोधित भी करेंगे। संत रविदास जयंती पर राहुल और प्रियंका गांधी ने लोगों को लंगर हाल में अपने हाथों से भी लंगर परोसा। राहुल गांधी वर्ष 2011 में संत रविदास मंदिर आ चुके हैं। वहीं प्रियंका गांधी भी एक बार मंदिर में जाकर मत्था टेक चुकी हैं। वहीं संत को नमन करने पहुंचे राहुल गांधी ने ट्वीट भी किया - यह पहला मौका है जब सीर गोवर्द्धन में संत रविदास को जयंती के मौके पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा एक साथ संत को नमन करने पहुंचे हैं। वहीं राहुल- प्रियंका के वाराणसी स्थि?त बाबतपुर एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद कांग्रेसियों ने उनका स्वागत किया। जबकि सुरक्षा कारणों से इस दौरान एयरपोर्ट परिसर पर भारी सुरक्षा बल भी मौजूद रहे। एयरपोर्ट परिसर से निकलकर राहुल और प्रियंका गांधी वाहन पर सवार होकर शहर की ओर रवाना हो गए। बाबतपुर से दोनों ही नेता सीर गोवर्द्धन स्थित संत रविदास मंदिर पहुंचे जहां पर जाकर संत रविदास की प्रतिमा को नमन कर गुरु चरणों की वंदना की। वहीं इसके पूर्व सुबह ही पंजाब के मुख?यमंत्री चरणजीत सिंह चन?नी भी संत को नमन करने पहुंचे और शीर्ष गुरु संत निरंजनदास का आशीर्वाद भी लिया। एयरपोर्ट पर जुटी कांग्रेसियों की भीड : लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बुधवार सुबह कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा विमान से सुबह 10:25 बजे एयरपोर्ट पर पहुचीं। वही राहुल गांधी 10:35 बजे एयरपोर्ट पर विशेष विमान से पहुंचे। एयरपोर्ट के वीआईपी लाउंज में कांग्रेसी नेताओं ने दोनों नेताओं का स्वागत किया, इस दौरान एयरपोर्ट पर राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रही। इस दौरान समर्थकों ने प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी के नारे लगाये, समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया, इस दौरान मुख्य रूप से पूर्व विधायक अजय राय, रोहनिया से कांग्रेस प्रत्याशी राजेश्वर पटेल, महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, मणि?द्र मिश्रा, राजू राम, गौरव पांडे सहित अन्य कांग्रेसी नेता मौजूद रहे। वहीं दूसरी ओर वाराणसी शहर दक्षिणी से टिकट कटने को लेकर रेखा शर्मा ने मुलाकात किया इस दौरान वे प्रियंका से बात करते हुए वह भावुक हो गईं।

सानिया और हरडेका की जोड़ी दुबई टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

दुबई। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और चेक गणराज्य की उनकी जोड़ीदार लूसी हरडेका ने संघर्षपूर्ण जीत के साथ दुबई टेनिस चैंपियनशिप के महिला युगल के

क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी।

सानिया और हरडेका ने मंगलवार की रात खेले गये मैच में चीनी ताइपे की चान हाओ चिंग और नीदरलैंड की दुनिया में 12वें नंबर की डेमी शूर्स को एक घंटे 55 मिनट में 7-6, 5-7, 11-9 से हराया। सानिया और हरडेका को इस प्रतियोगिता में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला है। इस डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला जापान की शुको आओयामा और सर्बिया की एलेक्जेंड्रा क्रुनिच से होगा।

सानिया ने इससे पहले 2013 में अमेरिका की बेथानी माटेक सैंड के साथ यहां खिताब जीता था।

भारत की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी सानिया ने पिछले महीने घोषणा की थी कि 2022 उनका आखिरी सत्र होगा।

एशियाई चैंपियनशिप से पहले युवा और जूनियर मुक्केबाजों के लिये शिविर बहाल

नयी दिल्ली । जोर्डन के अम्मान में 27 फरवरी से 15 मार्च तक होने वाली एशियाई चैंपियनशिप की तैयारियों के सिलसिले में भारत के युवा और जूनियर मुक्केबाजों ने रोहतक और भोपाल में राष्ट्रीय शिविर में फिर से अभ्यास शुरू कर दिया है।

शिविर सभी चार वर्गों (युवा पुरुष और महिला तथा जूनियर लड़के और लड़कियां) में आठ फरवरी से शुरू हो गया है और यह 21 दिन चलेगा।

कोविड-19 के कारण पूर्व में यह शिविर रोक दिया गया था।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के बयान के अनुसार अभी इन शिविरों में 98 मुक्केबाज अभ्यास कर रहे हैं।

रोहतक में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के राष्ट्रीय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जूनियर लड़कियों और लड़कों के साथ युवा महिलाओं के लिये राष्ट्रीय शिविर लगाया गया है।

जूनियर शिविर में 25 पुरुष और 24 महिला जबकि युवा महिला शिविर में 24 मुक्केबाज शामिल हैं।

युवा पुरुष शिविर के लिये चयनित 25 मुक्केबाज भोपाल के साइ राष्ट्रीय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास कर रहे हैं।

कोर्डा और मानेरिनो की आसान जीत, क्वेरी बाहर

डेलरे बीच। सेबेस्टियन कोर्डा और एड्रियन मानेरिनो ने आसान जीत के साथ डेलरे बीच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम 16 में प्रवेश किया।

पिछले साल के उप विजेता और पांचवीं वरीयता प्राप्त कोर्डा ने थनासी कोकिनाकिस को 6-4, 6-1 से जबकि सातवीं वरीयता प्राप्त मानेरिनो ने क्वालीफायर लियाम ब्रॉडी को 6-2, 6-3 से पराजित किया।

जैक सॉक भी आगे बढ़ने में सफल रहे। उन्होंने डेनियल अल्टमायर को 2-6, 6-3, 6-4 से हराया। उनका अगला मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त रीली ओपेल्का से होगा।

अन्य मैचों में मार्कस गिरोन ने टेनीस सैंडग्रेन को 7-5, 6-3 से, डेनिस इस्तोमिन ने अनुभवी सैम क्वेरी को 6-1, 7-6 (5) से, स्टीफन कोजलोव ने एमिलियो गोमेज को 4-6, 7-5, 6-3 से और मिशेल क्रुएगर ने जॉर्डन थॉम्पसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया। क्वेरी पिछले साल विंबलडन के पहले दौर में जीत दर्ज करने के बाद कोई मैच नहीं जीत पाये हैं। उन्होंने टूर स्तर पर पिछले सभी 10 मैच गंवाये हैं।

एमबापे के गोल से पीएसजी से रीयाल मैड्रिड को हराया

पेरिस। लियोनेल मेस्सी के पेनल्टी पर गोल करने में नाकाम रहने के बाद उनके साथी काइलन एमबापे ने दूसरे हॉफ के इंजुरी टाइम में एकल प्रयास से गोल दागा जिससे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 के मैच में रीयाल मैड्रिड को 1-0 से हराया। एमबापे ने इस सत्र में फ्रांसीसी लीग में कई बार अंतिम क्षणों में गोल करके पीएसजी को अंक दिलाये और उन्होंने फिर से ऐसा कमाल किया। पहले चरण के इस मैच के इंजुरी टाइम के चौथे और अंतिम मिनट में स्थानापन्न नेमार से पास मिलने के बाद एमबापे ने दो रक्षकों को छकाकर गोलकीपर थिबॉट कूर्टिस के पांवों के बीच से गेंद गोल में डाली।

इससे पहले खेल के 61वें मिनट में दानी कार्वाजल के फॉउल के कारण पीएसजी को पेनल्टी मिली थी लेकिन कूर्टिस ने अपने बायें तरफ डाइव लगाकर मेस्सी का शॉट रोक दिया था। दूसरे चरण का मैच नौ मार्च को खेला जाएगा।

विल स्मीड की 99 रन की पारी बेकार गयी, पीएसएल में पेशावर से हारा क्वेटा

लाहौर। युवा बल्लेबाज विल स्मीड पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में दूसरी बार टी20 क्रिकेट में अपने पहले शतक से चूक गये और उनकी टीम क्वेटा ग्लैडिएटर्स को भी पेशावर जाल्मी के हाथों इस मैच में 24 रन से हार झेलनी पड़ी।

बीस वर्षीय स्मीड ने पेशावर के खिलाफ ही पहले चरण के मैच में 97 रन बनाये थे। उन्होंने फिर से बेहतरीन बल्लेबाजी की तथा 60 गेंदों पर 99 रन बनाये लेकिन इसके बावजूद क्वेटा 186 रन के लक्ष्य के सामने आठ विकेट पर 161 रन ही बना पाया।

इससे पहले पेशावर ने अनुभवी आलराउंडर शोएब मलिक (58) और हुसैन तलत (51) के अर्धशतकों की मदद से सात विकेट पर 185 रन बनाये थे। बेन कटिंग ने आखिरी क्षणों 14 गेंदों पर 36 रन की तूफानी पारी खेली। क्वेटा के तेज गेंदबाज नसीम शाह ने अपने 19वें जन्मदिन पर 27 रन देकर चार विकेट लिये।

KKR के कैप्टन बने श्रेयस अय्यर

2020 में बीच टूर्नामेंट बदलना पड़ा था कप्तान, अब कोलकाता बोली- योद्धाओं को नया लीडर मिल गया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने श्रेयस अय्यर को टीम का नया कप्तान बनाया है। अय्यर इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभाल चुके हैं। अय्यर को चयक्र ने आईपीएल मेगा ऑक्शन में 12.25 करोड़ में खरीदा था। कोलकाता श्रेयस अय्यर की दूसरी आईपीएल टीम है।

KKR ने ट्वीट कर दी जानकारी

कोलकाता टीम फ्रेंचाइजी ने ट्वीट कर अय्यर के कैप्टन बनने की जानकारी फैंस तक पहुंचाई। मेगा ऑक्शन में अय्यर का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था और उनको टीम ने 12.25 करोड़ में खरीदा। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स में खेलते हुए उनकी सैलरी 7 करोड़ रुपए थी।

2020 में बीच टूर्नामेंट में बदला था कप्तान

2020 के IPL सीजन में दिनेश कार्तिक कोलकाता के कप्तान थे, लेकिन टीम के खराब प्रदर्शन के कारण उन्होंने बीच टूर्नामेंट से ही कप्तानी छोड़कर ओएन मॉर्गन को टीम

का नया कैप्टन बनाया था। इस बार कोलकाता ने कार्तिक और मॉर्गन दोनों को रिटेन नहीं किया है।

अय्यर के पास कप्तानी का अनुभव

श्रेयस अय्यर इससे पहले 3 सीजन में दिल्ली के कप्तानी कर चुके हैं। 2019 में उनकी कप्तानी में दिल्ली ने छह साल के लंबे इंतजार के बाद प्लेऑफ में जगह बनाई थी। 2020 में टीम ने पहली बार IPL का फाइनल मुकाबला खेला था, हालांकी फाइनल में टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 5 विकेट से मिली हार का सामना करना पड़ा था।

बतौर कप्तान अय्यर ने 41 मैच खेले 21 में जीत दर्ज की, जबकि 18 में टीम को हार का सामना करना पड़ा। दो मैच टाई रहे। 2021 में अय्यर को चोटिन होने के कारण कप्तानी के पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह दिल्ली ने ऋषभ पंत को कैप्टन बनाया था।

चयक्र ने 7 साल से नहीं जीता IPL

कोलकाता नाइट राइडर्स IPL की सबसे ग्लैमरस टीमों में से एक है। टीम अभी तक दो बार 2012 और 2014 में IPL की ट्रॉफी जीत चुकी है। 2021 में भी टीम ने ओएन मॉर्गन की कप्तानी में फाइनल तक का सफर तय किया था, लेकिन टीम खिताब अपने नाम करने में असफल रही।

अय्यर को लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में टीम इंडिया के कप्तान के रूप में देखा जाता है और इस बार कोलकाता की टीम को उनसे IPL टाइटल की बहुत उम्मीद रहेगी।

शिखर धवन बन सकते हैं पंजाब किंग्स के कप्तान

IPL 2022 के मेगा ऑक्शन से पहले पंजाब किंग्स ने सिर्फ मयंक अग्रवाल और अनकैप्ड अर्शदीप सिंह को रिटेन किया था। ऐसे में माना जा रहा था कि मयंक अग्रवाल पंजाब की टीम के अगले कप्तान हो सकते हैं, लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ऑक्शन 2022 में खरीदे गए सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को टीम की कमान मिल सकती है। पंजाब ने उन्हें 8.25 करोड़ रुपए में ऑक्शन में खरीदा है। अभी तक शिखर धवन दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे और इससे पहले वे सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेल चुके हैं।

मैनचेस्टर सिटी ने चैंपियन्स लीग में स्पोर्टिंग को 5-0 से करारी शिकस्त दी

लिस्बन । मैनचेस्टर सिटी ने बेहतरीन खेल का नजारा पेश करके चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में स्पोर्टिंग को 5-0 से करारी शिकस्त देकर अपने प्रतिद्वंद्वी के प्रशंसकों को भी तालियां बजाने के लिये मजबूर कर दिया।

सिटी ने पहले हॉफ में ही चार गोल दाग दिये थे। जब फिल फोडेन ने तीसरा गोल दागा तो अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे स्पोर्टिंग के प्रशंसकों ने भी सिटी के लाजवाब खेल की प्रशंसा की। सिटी का प्रदर्शन इतना अच्छा था कि स्पोर्टिंग के प्रशंसकों ने पूरे मैच के दौरान उसका आनंद उठाया।

सिटी की तरफ से गोल वर्षा की शुरुआत सातवें मिनट में रियाद महरेज ने की। रेफरी ने रेफरल में लंबी समीक्षा के बाद ही यह गोल दिया।

बर्नांडो सिल्वा ने 17वें और 44वें मिनट में गोल किये जबकि फोडेन ने इस बीच 32वें मिनट में गोल दागा। इस तरह से सिटी ने पहले हॉफ में 4-0 से बढ़त हासिल कर ली थी। टीम की तरफ से पांचवां गोल रहीम स्टर्लिंग ने 58वें मिनट में किया।

पिछले सत्र के बीच में आईपीएल छोड़ने के कारण नहीं मिला मुझे और जंपा को अनुबंध:रिचर्डसन

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन का मानना है कि पिछले साल कोविड-19 के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को स्थगित किये जाने से पहले ही छोड़ने के कारण उन्हें और स्पिनर एडम जंपा को इस साल की मेगा नीलामी में किसी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा।

पिछले सप्ताह की नीलामी में किसी भी फ्रेंचाइजी ने इन दोनों में दिलचस्पी नहीं दिखायी। रिचर्डसन को जंपा को अनुबंध नहीं मिलने पर अधिक हैरानी हुई।

रिचर्डसन ने कहा, ''मुझे वास्तव में उसको लेकर अधिक हैरानी हुई। ईमानदारी से कहूं तो पिछले साल जब हम (आईपीएल) छोड़कर निकले तो मुझे उसके साथ की गयी बातचीत याद है। ''

उन्होंने कहा, ''मैंने उससे कहा देखो बाद में हमें इससे नुकसान उठाना पड़ सकता है लेकिन उस समय हमारी प्राथमिकता वहां रहना नहीं थी। हम वापस आस्ट्रेलिया लौटना चाहते थे। ''

रिचर्डसन ने कहा, ''इसलिए मुझे लग रहा था कि खरीदार हमें खरीदने में सतर्कता बरतेंगे क्योंकि वे सोचेंगे कि हम हो सकता कि फिर से नहीं आएं। मुझे निश्चित तौर पर यही कारण लगता है। ''

मैक्सवेल का पाकिस्तान दौरे और आईपीएल के शुरुआती चरण से बाहर रहना तय

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अगले महीने वैवाहिक बंधन में बंधने जा रहे हैं जिसके कारण उनका पाकिस्तान दौरे और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती मैचों से बाहर रहना तय है।

मैक्सवेल ने 'फॉक्स स्पोर्ट्स' से कहा कि कार्यक्रम में बदलाव

के कारण तिथियों में टकराव होना तय था। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने विराट कोहली और मोहम्मद सिराज के अलावा मैक्सवेल को भी रिटेन किया था।

उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ कैनबरा में तीसरे टी20 मैच के बाद कहा, ''शुरू में जब मैंने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के साथ तिथियों को लेकर बात की तो दो सप्ताह का अंतर था जिसमें मुझे संभावित रूप से समय मिल जाता। ''

मैक्सवेल ने कहा, ''इसलिए जब मैंने तिथियों पर अंतिम फैसला किया तो मैं खुश था कि मुझे किसी श्रृंखला से बाहर नहीं रहना पड़ेगा। इसके बाद पिछले साल जब मैं (क्रिकेट आस्ट्रेलिया की) अनुबंध संबंधी बैठक में आया तो उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला होगी।''

आईपीएल के मार्च के आखिरी सप्ताह में शुरू होने की संभावना है जबकि आस्ट्रेलिया का पाकिस्तान का सीमित ओवरों की श्रृंखला का दौरा 29 मार्च से शुरू होगा।

मैक्सवेल और उनकी भारतीय मूल की मंगेतर विनी रमन 27 मार्च को परिणय सूत्र में बंधेंगे।

भारतीय क्रिकेट की 'रीढ़' रणजी ट्राफी दो साल बाद बायो बबल में वापसी को तैयार

अहमदाबाद। देश में कोविड-19 की स्थिति में सुधार के बाद भारतीय क्रिकेट की रीढ़ रणजी ट्राफी की दो साल बाद गुरुवार को जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में वापसी होगी जिसमें कई घरेलू क्रिकेटरों को लंबी अवधि की क्रिकेट में अपना जलवा दिखाने तो अंजिक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को अपने टेस्ट करियर की संभावनाओं को बरकरार रखने का मौका मिलेगा।

कोविड-19 की तीसरी लहर के कारण देश की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता पर लगातार दूसरे साल खतरा मंडराने लगा था लेकिन संक्रमण में कमी आने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसका आयोजन करने का फैसला किया। प्रतियोगिता में 38 टीम भाग लेंगी और ऐसे में बायो बबल में हर तरह की तैयारियां करना चुनौती है।

सभी की निगाहें मौजूदा चैंपियन सौराष्ट्र और 41 बार के विजेता मुंबई के बीच होने वाले मैच पर टिकी रहेंगी जिसमें रहाणे और पुजारा आमने-सामने होंगे। इन दोनों का लक्ष्य बड़ा स्कोर बनाना होगा क्योंकि टेस्ट स्तर पर वह पिछले लंबे समय से ऐसा नहीं कर पाये हैं।

ये दोनों अनुभवी बल्लेबाज नेट्स पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं और उनके कोच को लगता है कि वे बड़ी पारियां खेलेंगे। रहाणे और पुजारा को तुरंत ही प्रभाव छोड़ना होगा क्योंकि श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिये टीम की घोषणा जल्द की जानी है।

प्रतियोगिता देश के नौ स्थानों पर होगी जहां नौ बायो बबल तैयार किये गये हैं। खिलाड़ियों को पांच दिन तक पृथकवास पर रहना पड़ा जिसके कारण उन्हें गुरुवार से शुरू होने वाले पहले दौर के मैचों से पहले केवल दो दिन अभ्यास का समय मिला।

लेकिन खिलाड़ी शिकायत करने के मूड में नहीं हैं। उन्हें खुशी है कि दो सत्र तक सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलने के बाद आखिर उन्हें सबसे चुनौतीपूर्ण प्रारूप में खेलने का मौका मिल रहा है।

दिल्ली के कोच राजकुमार शर्मा ने कहा, ''यह बहुत अच्छा है कि लाल गेंद से क्रिकेट फिर से शुरू हो रहा है। खिलाड़ियों को पिछले दो वर्षों में वित्तीय और कौशल के लिहाज से काफी नुकसान हुआ। वे सभी इस चुनौती के लिये तैयार हैं। ''

यह सबसे कम अवधि का प्रथम श्रेणी सत्र होगा जिसमें प्रत्येक टीम को केवल तीन लीग मैच खेलने को मिलेंगे। ऐसे में उनकी मैच फीस प्रभावित होगी और उन्हें गलती सुधारने के ज्यादा मौके भी नहीं मिलेंगे।

एलीट वर्ग में कुल आठ ग्रुप बनाये गये हैं जिसमें से प्रत्येक ग्रुप में चार टीम रखी गयी हैं जबकि प्लेट ग्रुप में छह टीम हैं। एकमात्र प्री क्वार्टर फाइनल को छोड़कर नॉकआउट चरण के मैच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद 30 मई से शुरू होंगे।

प्रियांक पांचाल, अभिमन्यु ईश्वरन और हनुमा विहारी जैसे खिलाड़ियों पर भी निगाहें टिकी रहेंगी। भारत के अंडर-19 टीम के खिलाड़ियों यश धुल और राज अंगद बावा को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिलेगा।

पहली पारी पूरी नहीं होने पर दोनों टीम को एक-एक अंक दिया जाएगा।

मैच राजकोट, कटक, अहमदाबाद, चेन्नई, तिरुवनंतपुरम, दिल्ली, हरियाणा, गुवाहाटी और कोलकाता में खेले जाएंगे।

केकेआर से जुड़कर काफी उत्साहित हूं : मोहम्मद नबी

श्रेयस मनोरम

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा खरीदे जाने पर खुशी जाहिर की है।

मोहम्मद नबी ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि वह केकेआर से जुड़कर काफी उत्साहित हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा बुधवार को ट्विटर पर शेयर किए गए वीडियो में मोहम्मद नबी ने कहा कि केकेआर परिवार का हिस्सा बनकर काफी उत्साहित हूं। टीम पिछले कुछ वर्षों से वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रही है और इस सीजन में भी हम अच्छा करेंगे। मैं गैलेक्सी ऑफ नाइट में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं।

उल्लेखनीय है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें सीजन की नीलामी के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स ने मोहम्मद नबी को बेस प्राइस एक करोड़ में खरीदा है। हालांकि पहले राउंड में नबी अनसोल्ड रहे थे, लेकिन बाद में उन्हें केकेआर ने अपनी टीम में जोड़ लिया। नबी पिछला सीजन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए नजर आए थे।

मोहम्मद नबी ने अब तक आईपीएल में अबतक 17 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 31.38 की औसत से 13 विकेट अपने नाम किए हैं।

बप्पी दा के निधन पर खिलाड़ियों ने जताया दुख, सचिन ने लिखा- आप हमेशा याद रहेंगे

नई दिल्ली। स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन को दो सप्ताह भी पूरे नहीं हुए थे कि संगीत जगत की एक और शख्सियत ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। डिस्को किंग के नाम से मशहूर गायक और संगीतकार बप्पी लाहिरी का बुधवार को निधन हो गया।

उन्होंने मुंबई स्थित क्रिटीकेयर अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से फैंस से लेकर हर कोई दुखी है। क्रिकेट जगत के दिग्गजों ने भी उनके निधन पर दुख व्यक्त किया है। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने बप्पी दा के निधन पर शोक जताते हुए उनके एक यादगार गाने की लाइन शेयर की है। तेंदुलकर ने ट्विटर पर लिखा, मैंने बप्पी दा के म्यूजिक का खूब लुत्फ उठाया है, खासकर याद आ रहा है...ड्रेसिंग रूम में कई बार इस गाने को सुना है। उनकी प्रतिभा की सीमा वास्तव में अद्भुत थी। आप हमेशा हमें याद रहोगे बप्पी दा।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने ट्वीट करते हुए लिखा कि भारतीय संगीत इंडस्ट्री के आइकन। बप्पी लाहिरी आप बहुत याद आएंगे। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी युवराज सिंह ने ट्वीट किया, महान संगीतकार बप्पी लाहिरी जी के निधन का दुखद समाचार। उन्हें उनकी मंत्रमुग्ध कर देने वाली संगीत रचनाओं के लिए याद किया जाएगा, जिन्हें हर उम्र के लोग पसंद करते हैं।